दैनिक नर्मदा न्यूज

TO THE POINT

RNI.No.MPHIN/25/A3054

www.narmadanewsttp.com

सुविचार

मात्र हवन, धूपबत्ती और जप की संख्या के नाम पर प्रसन्न होकर आदमी की मनोकामना पूरी कर दिया करे, ऐसी देवी दुनिया में कहीं नहीं है। मज़दूर के दो हाथ जो अर्जित कर सकते हैं वह मालिक अपनी पूरी संपत्ति द्वारा भी प्राप्त नहीं कर सकता।

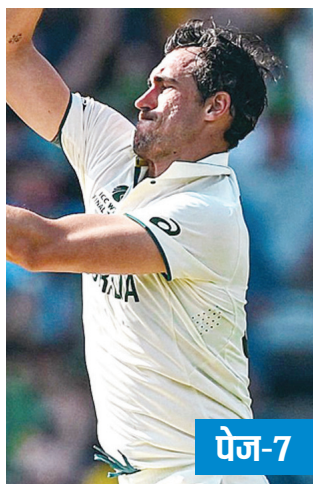

पेज-7

● वर्ष-1, ● अंक- 153 भोपाल से प्रकाशित ● भोपाल, शनिवार 22 नवंबर, 2025 ● मूल्य 2 रुपए ● पृष्ठ 8

पूर्व उपराष्ट्रपति की अगवानी करने नहीं पहुंचे भाजपा नेता

● भोपाल एयरपोर्ट से कार से राजभवन आए

भोपाल। पूर्व उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ आरएसएस के कार्यक्रम में शामिल होने शुक्रवार को भोपाल आए हैं। वे दिल्ली से फ्लाइट से भोपाल एयरपोर्ट पहुंचे। यहां से कार से राजभवन गए। एयरपोर्ट पर अगवानी करने कोई भाजपा नेता नहीं पहुंचा तो पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा- बीजेपी के लिए वही महत्वपूर्ण है, जो उनके काम आए। यूज एंड थ्रो... यही है भाजपा। दिग्विजय ने कहा- मैं संघ के लिए ऐसा नहीं कह सकता, क्योंकि वे संघ के कार्यक्रम में आए हैं। वे वैद्य जी की किताब का विमोचन करने आए हैं। ये वही वैद्य

जी हैं, जिन्होंने बयान दिया था कि लोग गोमांस खाएं, उसमें संघ को कोई ऐतराज नहीं है। दिग्विजय ने धनखड़ के साथ आए अफसर को फोन करके उनसे मिलने का समय भी मांगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य मनमोहन वैद्य ने किताब हम और यह विश्व लिखी है। इसके विमोचन कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व उप राष्ट्रपति धनखड़ संबोधन देंगे। कार्यक्रम में वृंदावन के श्री आनंदम धाम आश्रम के पीठाधीश्वर रीतेश्वर जी महाराज और वरिष्ठ पत्रकार विष्णु त्रिपाठी उपस्थित थे।

राजस्थान के 8 नए जिलों में बनी जिला परिषदें

● पंचायत चुनाव से पहले सरकार का बड़ा ऐक्शन

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में पंचायत चुनाव प्रक्रिया शुरू होने से पहले राज्य सरकार ने बड़ा प्रशासनिक फैसला लेते हुए हाल ही में बनाए गए 8 नए जिलों में जिला परिषदों के गठन को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही संबंधित पुराने जिलों की परिषदों का पुनर्गठन भी पूरा कर दिया गया है, जिससे इन नए जिलों में होने वाले आगामी चुनावों का रास्ता साफ हो गया है। पंचायत राज विभाग द्वारा गुरुवार को जारी अधिसूचना के बाद अब प्रदेश के सभी 41 जिलों में जिला परिषदों का गठन हो गया है। इससे पहले राज्य में केवल 33 जिलों

में ही जिला परिषदें कार्यरत थीं। नई अधिसूचना के बाद प्रशासनिक ढांचा मजबूत होने के साथ पंचायत चुनावों की तैयारियों में भी तेजी आएगी। सरकार की अधिसूचना के मुताबिक सभी नए जिलों में जिला परिषदों का गठन किया गया है। इनमें डीग, बालोतरा, ब्यावर, डीडवाना-कुचामन, फलौदी, सलूंबर, कोटपूतली-बहरोड़ और खैरथल-तिजारा शामिल हैं। इन सभी जिलों को हाल ही में पूर्ण रूप से संचालन के लिए अधिसूचित किया गया था। अब जिला परिषद बनने से इन क्षेत्रों में पंचायत शासन की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो सकेगी।

उद्योगों के लिए बेहद पसंदीदा राज्य बना एमपी

● सीएम डॉ.यादव बोले-एक्सपो उद्योगों को दुनिया से जोड़ने में बनेंगे सहायक ● कहा-प्रदेश में व्यापार-व्यवसाय को प्रोत्साहित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता ● दो लाख करोड़ की औद्योगिक इकाइयों के भूमिपूजन के लिए शाह को आमंत्रण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश उद्योगों के लिए तेजी से उभरता हुआ पसंदीदा राज्य बन रहा है। फेड एक्सपो जैसे आयोजन स्थानीय उद्योगों और स्टार्ट-अप्स को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच से जोड़ने में बड़ी अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे एक्सपो उद्योग-धंधों, नवाचार और एमएसएमई सेक्टर के विकास के लिए एक बड़ा मंच साबित होते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को गोविन्दपुरा में आयोजित फेड एक्सपो-2025 समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उद्योगों को बढ़ावा देने, एमएसएमई सेक्टर को अधिकतम सुविधाएं उपलब्ध कराने और ज्यादा से ज्यादा युवाओं को रोजगार के नए अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गोविन्दपुरा इंडस्ट्रियल एरिया के एग्जिबिशन हॉल में फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चेम्बर्स आफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा आयोजित तीन

दिवसीय फेड एक्सपो-2025 का दीप प्रज्ज्वलन कर विधिवत् शुभारंभ किया। यह एक्सपो 23 नवम्बर तक चलेगा।

एक्सपो में मध्यप्रदेश सहित देश-विदेश से आए उद्योग एवं एक्सपोर्ट सेक्टर से जुड़े उद्यमियों, निवेशकों और संस्थानों ने व्यापक रूप से भागीदारी की। एक्सपो में रूस, ओमान और ताईवान देशों से भी उद्यमी आए हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इपिक प्रोजेक्ट का विमोचन किया। इससे स्व-सहायता समूह, स्कूल, कॉलेज, ग्राम पंचायतें, शासकीय कार्यालय सभी एक प्लेटफार्म से जुड़ेंगे।

● हैदराबाद में 22 नवंबर को होगा इन्वेस्टर्स के लिए रोड-शो-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 22 नवंबर को हम हैदराबाद में वहां के इन्वेस्टर्स से संवाद करने के लिए रोड-शो करने जा रहे हैं। यह सरकार के लिए उद्योग-रोजगार वर्ष है। जीआईएस और रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के माध्यम से मिले सभी निवेश प्रस्तावों में से अब तक हम 8 लाख करोड़ रुपये के अधिक निवेश प्रस्तावों पर ठोस कार्यवाई कर चुके हैं। इनमें से 6 लाख करोड़ रुपये की औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए जमीनी स्तर पर काम प्रारंभ हो चुका है। उन्होंने कहा कि 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली औद्योगिक इकाइयों का सामूहिक भूमिपूजन करने के लिए केंद्रीय गृहमंत्री को आमंत्रण दिया है। हम उनकी उपस्थिति में यह ऐतिहासिक भूमिपूजन संपन्न करेंगे। उन्होंने कहा कि बीते 4 दशकों में व्यापार-व्यवसाय की संभावनाओं को देखा जाए, तो इसमें मध्यप्रदेश फेडरेशन ऑफ चेंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की भूमिका बड़ी अहम रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नया मध्यप्रदेश गढ़ने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारी कोशिश है कि गरीबों की गरीबी दूर हो और युवाओं को रोजगार मिले, प्रदेश में सुख-समृद्धि आए और प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत जल्द से जल्द दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बने। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश पर्याप्त विकास संभावनाओं वाला राज्य है। रूस ईंधन का खजाना है, लेकिन मध्यप्रदेश तो अन्न का भंडार है। फेडरेशन के सहयोग से सरकार मध्यप्रदेश में निवेश को बढ़ाने के लिए ऐसे ही बड़े आयोजन करेगी। उन्होंने कहा कि सबके सहयोग से हम मध्यप्रदेश को विकास के मामले में नंबर वन राज्य बनाएंगे।

हमास जैसे हमलों की साजिश रच रहा था जैश

● कश्मीरी अस्पतालों में हथियारों का ठिकाना बनाने की थी तैयारी

फरीदाबाद (एजेंसी)। दिल्ली ब्लास्ट की जांच में सुरक्षा एजेंसियों ने बड़ा खुलासा किया हैं। सूत्रों के मुताबिक, जैश-ए-मोहम्मद का आतंकी मॉड्यूल कश्मीर के अस्पतालों को हथियारों का ठिकाना बनाने की कोशिश कर रहा था। यह तरीका हमास की रणनीति से मिलता-जुलता है, जो नागरिक इलाकों और अस्पतालों को हथियारों के ठिकाने के रूप में इस्तेमाल करता है। दरअसल जैश के

आतंकियों ने भी सुरक्षा एजेंसियों की नजर से बचने के लिए अस्पतालों को चुना है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व डीजीपी एसपी वेद ने बताया कि आतंकी 1990 में अस्पतालों का हथियारों के ठिकाने के रूप में इस्तेमाल करते थे। जिसके बाद आर्मी और पुलिस ने इसे पूरा क्लीन किया था।

डॉ. मुजम्मिल आटा चक्की से यूरिया पीसता था

दिल्ली ब्लास्ट केस में गिरफ्तार फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े डॉ. मुजम्मिल, डॉ. शाहीन सईद, डॉ. आदिल अहमद राथर और मौलवी इरफान को एनआईए ने हिरासत में ले लिया है। इससे पहले, जांच टीम ने फरीदाबाद के धौज गांव में रह रहे एक टैक्सी ड्राइवर के घर से आटा चक्की और कुछ इलेक्ट्रॉनिक मशीनें बरामद कीं। इसमें मेटल पिघलाने की मशीन भी है। जांच एजेंसी को जुड़े सूत्रों ने बताया कि इसी आटा चक्की में डॉ. मुजम्मिल यूरिया पीसता था, फिर मशीन से उसे रिफाइन करता था। इसके बाद केमिकल मिलाकर विस्फोटक बनाता था। केमिकल अलफलाह यूनिवर्सिटी की लैब से चुराया था।

बौद्ध धर्म को मानने वाला, लेकिन सेक्युलर हूं

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बीआर गवई ने गुरुवार को एक फेयरवेल प्रोग्राम में कहा- मैं बौद्ध धर्म को मानने वाला हूं, लेकिन वास्तव में एक सेक्युलर (धर्मनिरपेक्ष)

व्यक्ति हूं। हिंदू, सिख, इस्लाम समेत सभी धर्मों में विश्वास रखता हूं। जस्टिस गवई ने आगे कहा कि मैंने धर्मनिरपेक्षता अपने पिता से सीखी है। मेरे पिता भी पूरी तरह से सेक्युलर थे और डॉ. अंबेडकर के अनुयायी थे।

एसआईआर के खिलाफ फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे विपक्षी दल

● दायर की याचिका, सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से मांगा जवाब ● केरल ने प्रक्रिया रोकने की मांग की, अन्य राज्य भी अर्जी लगा चुके

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट आज एसआईआर के खिलाफ दायर केरल सरकार की याचिका पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। केरल और अन्य की याचिकाओं में केरल में एसआईआर कराने के चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती दी गई है। जस्टस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने मामले की सुनवाई 26 नवंबर तय की है। केरल में दिसंबर के दूसरे सप्ताह में स्थानीय निकाय चुनाव होने वाले हैं। इसलिए राज्य सरकार ने वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को स्थगित करने की मांग वाली याचिका दायर की थी। याचिका में केरल सरकार ने कहा था कि कर्मचारियों की कमी के कारण चुनाव के साथ एसआईआर करवाने से दिक्कतें बढ़ रही हैं। जब संवैधानिक चुनाव चल रहे हों, तो बेकार में जल्दबाजी करके सत्यापन की गुणवत्ता

को कम करना, मताधिकार के लोकतांत्रिक अधिकार के खिलाफ है। दरअसल केरल में लोकल बॉडी इलेक्शन 21 दिसंबर तक होने हैं।

लुधियाना एनकाउंटर में खुलासा सरकारी इमारतें थी निशाने पर

● लॉरेंस गैंग से जुड़े दोनों आतंकियों के लिंक, सलमान खान के घर फायरिंग करने वाले से भी कनेक्शन

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब के लुधियाना में दो आतंकियों के एनकाउंटर पर पुलिस कमिश्नर स्वप्न शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में अहम खुलासा करते हुए कहा कि दोनों का पाकिस्तान-स्थित हैंडलर जसवीर उर्फ चौधरी से लिंक था। दोनों को राज्य में ग्रेनेड हमला करने के लिए भेजा गया था। कमिश्नर ने ये भी बताया कि पकड़े गए आतंकी लॉरेंस गैंग से जुड़े मॉड्यूल का हिस्सा हैं और एक आतंकी का लिंक सलमान खान के घर फायरिंग करने वाले से भी है। उनकी योजना सरकारी इमारतों और अन्य संवेदनशील स्थानों पर ग्रेनेड फेंककर राज्य में तनाव फैलाने की थी। एनकाउंटर में घायल दोनों आतंकियों का इलाज अस्पताल के वार्ड में ताला लगाकर कराया जा रहा है। बता दें कि गुरुवार को दिल्ली-अमृतसर हाईवे पर लाडोवाल टोल के पास पुलिस ने लश्कर-समर्थित टेरर मॉड्यूल के दो आतंकियों का एनकाउंटर किया था, जिसमें दोनों घायल हुए। एक आतंकी पंजाब के अबोहर का रहने वाला है, जबकि, दूसरा राजस्थान का है। एनकाउंटर के दौरान एक को 5 गोलियां और दूसरे को 2 गोलियां लगीं। हालांकि, दोनों की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।

● ग्रेनेड हमला करने की थी तैयारी- पुलिस कमिश्नर स्वप्न शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में अहम खुलासा करते हुए कहा कि लाडोवाल में एनकाउंटर में घायल आरोपियों को पाकिस्तान-स्थित हैंडलर जसवीर उर्फ चौधरी द्वारा विशेष रूप से राज्य में ग्रेनेड हमला करने के लिए भेजे गया था। दोनों के निशाने पर पंजाब की सरकारी इमारतें थीं। घायल आरोपी दीपक उर्फ दीपू और रामलाल, राजस्थान से लुधियाना आए थे और पिछले दो दिनों से यहां रहकर हमले को अंजाम देने की तैयारी कर रहे थे।

एसआईआर में डिजिटलाइजेशन की आधी रात में जांच

● संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

बीएलओ को फिल्म दिखाने-सैर कराने का ऑफर दे रहे कलेक्टर

भोपाल। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग इस कदर सख्त है कि मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के अफसरों को कलेक्टरों द्वारा कराए जा रहे कार्य की आधी को मानीटरिंग और निगरानी करनी पड़ रही है। वहीं कलेक्टर बूथ लेवल अफसर (बीएलओ) को काम में लापरवाही न करने की चेतावनी दे रहे हैं, तो परफार्मेंस सुधारने के लिए उन्हें डिनर और फिल्म दिखाने के ऑफर भी दिए जा रहे हैं। प्रदेश में समय पर एसआईआर का कार्य पूरा हो और उसमें किसी तरह की कमी न रहे, इसलिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय सतर्क है। संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी आरपीएस जादौन ने गुरुवार रात 11.30 बजे भोपाल के शहरी इलाकों में डिजिटलाइजेशन का निरीक्षण किया।

यह कार्य बीएलओ की रिपोर्ट के बाद किया जा रहा है। जादौन ने दो टूक कहा कि कोई भी लापरवाही न करे अन्यथा एक्शन लिया जाएगा।

रीवा कलेक्टर ने दिया डिनर और फिल्म का ऑफर

एसआईआर के डिजिटलाइजेशन कार्य की परफार्मेंस सुधारने के लिए कलेक्टर कर्मचारियों को प्रलोभन भी दे रहे हैं। रीवा कलेक्टर प्रतिभा पाल ने सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व (एसडीएम) को निर्देश दिए हैं कि विधानसभा क्षेत्र में सबसे पहले 100 प्रतिशत डिजिटलाइजेशन करने वाले बीएलओ को परिवार सहित डिनर कराया जाएगा, तो मूवी के टिकट भी दिए जाएंगे। इतना ही नहीं, ऐसे बीएलओ मुफ्त में मुकुंदपुर व्हाइट टाइगर सफारी की सैर कर पाएंगे, तो अलोहा की ओर से फ्री ब्रेला में बच्चों के गेमजोन की फ्री टिकट और थीम कार्निवाल रीवा में परिवार के लिए फ्री टिकट दिए जाएंगे। बता दें कि 100 प्रतिशत डिजिटलाइजेशन करने वाले बीएलओ को प्रशस्ति पत्र दिए जा रहे हैं। उन्हें मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी एवं कलेक्टरों के हाथों सम्मानित कराया जा रहा है।

ब्राजील में सीओपी30 क्लाइमेट समिट के हॉल में आग

13 घायल, भारत के पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव भी वहीं मौजूद थे

ब्रासीलिया (एजेंसी)। ब्राजील के बेलेम शहर में चल रहे सीओपी 30 क्लाइमेट समिट के मेन वेन्यू पर गुरुवार को आग लग गई। इसमें 13 लोग घायल हो गए। भारत के पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव भी आग लगने के समय भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ वहीं मौजूद थे। हालांकि, वे और अन्य अधिकारी सुरक्षित रूप से कार्यक्रम स्थल से बाहर निकल गए। द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, यह आग स्थानीय समयानुसार दोपहर 2 बजे (भारतीय समयानुसार रात 10.30 बजे) एक कन्वेंशन हॉल के अंदर एक पवेलियन में लगी थी। घटना के वक्त पवेलियन में 190 से ज्यादा देशों के 50,000 से अधिक डिप्लोमैट, पत्रकार और एक्टिविस्ट मौजूद थे। स्थानीय दमकल विभाग के

अनुसार आग शायद किसी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस (शायद माइक्रोवेव) से लगी। हालांकि, इसके दूसरे कारणों की जांच की जा रही है। आग लगते ही हजारों लोगों के बीच अफरातफरी मच गई। घटनास्थल से आए वीडियो और तस्वीरों में लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते दिखे। वहीं, पवेलियन से आग की लपटें और काले धुएं का गुबार उठता दिखाई दिया। धुआं कई किलोमीटर दूर से भी देखा जा सकता था। मौके पर कई एम्बुलेंस और फायरब्रिगेड की गाड़ियां पहुंचीं और तुरंत कार्रवाई कर सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। कार्यक्रम के आयोजक सीओपी 30 प्रेसीडेंसी और अन्य ने एक जॉइंट स्टेटमेंट में बताया कि लगभग छह मिनट में आग पर काबू पा लिया गया। वार्षिक सीओपी 30 क्लाइमेट समिट 10 से 21 नवंबर तक होने वाला है।

चीन-जापान तनाव से इंडियन सी-फूड की डिमांड बढ़ी

● अमेरिकी टैरिफ झेल रहे एक्सपोर्टर्स के शेयर 10 फीसदी तक चढ़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन और जापान के बीच ताइवान को लेकर बढ़ते तनाव का सीधा फायदा भारत को मिल रहा है। चीन ने बुधवार को जापान से आने वाले सभी सीफूड (जैसे- मछली, झींगा) पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। इसके बाद भारतीय सीफूड निर्यातकों के शेयरों में तेज उछाल देखने को मिला। चीन के इस

फैसले से उसके बाजार में सीफूड की कमी का खतरा पैदा हो गया है। इसे पूरा करने के लिए वह भारत जैसे देशों की तरफ तेजी से रुख कर रहा है। इसके चलते भारतीय सीफूड कंपनियों के शेयरों में तेजी आई है। तेलंगाना की अवंती फीड्स के शेयर करीब 10 फीसदी तक चढ़ गए। यह कंपनी के शेयर में पिछले दो महीनों में सबसे बड़ी बढ़त है। वहीं एक और सीफूड कंपनी कोस्टल कॉरपोरेशन के शेयर भी 5 फीसदी बढ़े। कंपनी ने अप्रैल में कहा था कि वह चीन को निर्यात बढ़ाएगी। चीन और जापान के बीच विवाद की वजह जापानी पीएम साने ताकाइची का एक बयान है। दरअसल ताकाइची ने 7 नंवबर को कहा कि जापान मदद के लिए अपनी सेना भेजेगा।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा अध्यक्ष पद की दौड़ में सबसे आगे धर्मेंद्र प्रधान का नाम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी अब तक अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर अंतिम फैसला नहीं ले सकी है। हालांकि, अब कहा जा रहा है कि इस पद पर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपनी दावेदारी मजबूत कर ली है। इसकी बड़ी वजह बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा का शानदार प्रदर्शन है। हालांकि, इसे लेकर पार्टी ने आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। भाजपा ने बिहार में प्रधान को चुनाव प्रभारी बनाया था। टेलीग्राफ की रिपोर्ट में सत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि बिहार में यह जीत भाजपा और आरएसएस में अध्यक्ष पद को लेकर जारी खींचतान खत्म करने में मदद कर सकती है। उन्होंने कहा कि संगठन क्षमता और चुनाव प्रबंधन ने उन्हें इस पद की दौड़ में आगे कर कर दिया है। चुनाव से पहले वह लंबे समय तक बिहार में रहे। एक ओर जहां उन्होंने बागियों को नामांकन वापस लेने में मनाया। वहीं, कैडर को भी मजबूत करने में सफलता हासिल की है।

रिपोर्ट के अनुसार, पार्टी सूत्र बताते हैं कि हरियाणा, महाराष्ट्र और अब बिहार चुनाव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की जोड़ी को मजबूती दी है, जिसपर लोकसभा चुनाव के दौरान मिले झटके के चलते असर पड़ा था। अखबार से बातचीत में एक केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'मोदी जी अब आरएसएस को मनाने में सफल हो सकते हैं कि भाजपा का अध्यक्ष उनकी चॉइस का हो।' जुलाई में इस पद के लिए केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव का नाम भी आगे चल रहा था। रिपोर्ट के अनुसार, जब भाजपा ने यादव और प्रधान का नाम आगे बढ़ाया, तो आरएसएस ने मंजूरी देने से पहले विचार विमर्श की जरूरत बताई थी। कहा जाता है कि प्रधान ने ही ओडिशा विधानसभा चुनाव में भाजपा को बीजू जनता दल से अलग होकर चुनाव लड़ने के लिए मनाया था, जिसके बाद भाजपा राज्य में सत्ता बनाने में सफल हुई। रिपोर्ट में एक भाजपा नेता के हवाले से बताया गया है, 'इससे पहले संकेत मिल रहे थे कि दक्षिण से नेता भाजपा अध्यक्ष बना सकता है। उप राष्ट्रपति पद के लिए सीपी राधाकृष्णन के चुनाव के बाद यह माना जाने लगा है कि पार्टी प्रमुख उत्तर से होगा।' मौजूदा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा का तीन साल का कार्यकाल जनवरी 2023 में खत्म हो चुका था, लेकिन लोकसभा चुनाव के मद्देनजर विस्तार दिया गया।

बिहार हार के बाद संकट में आईएनडीआईए गठबंधन

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार में विपक्ष की करारी हार के बाद उठ रही सियासी खलबली और अटकलों के बीच कांग्रेस ने साफ कहा है कि वह आईएनडीआईए गठबंधन के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और राष्ट्रीय स्तर पर इस मोर्चे को और प्रभावशाली बनाने के लिए अपने प्रयास दोगुने करेगी। पार्टी ने इस धारणा को निराधार बताया कि बिहार नतीजों के बाद गठबंधन ढीला पड़ सकता है। एआईसीसी के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में कहा कि आईएनडीआईए गठबंधन समान विचारधारा वाली पार्टियों को एक मंच पर लाने के लिए बनाया गया है, ताकि भाजपा की 'प्रतिगामी राजनीति' का सामूहिक मुकाबला किया जा सके। उन्होंने कहा- गठबंधन की बुनियाद में कोई बदलाव नहीं आया है। कांग्रेस आईएनडीआईए के प्रति प्रतिबद्ध है और इसका प्रभाव बढ़ाने के लिए अतिरिक्त प्रयास किए जाएंगे। बिहार नतीजों के बाद उठे सवालों पर कांग्रेस का जवाब बिहार विधानसभा चुनावों में आरजेडी-कांग्रेस गठबंधन की करारी हार के बाद सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा तेज हो गई थी कि आईएनडीआईए गठबंधन कमजोर पड़ सकता है। कुछ कांग्रेस नेताओं ने भी भविष्य में बिहार में आरजेडी के बिना स्वतंत्र रूप से लड़ने की बात कही थी। इसके अलावा, मुंबई के प्रतिष्ठित बीएमसी चुनावों में कांग्रेस के एनसीपी और शिवसेना (यूबीटी) से अलग होकर लड़ने की अटकलों ने भी विपक्षी एकता पर सवाल खड़े कर दिए। विपक्ष के इस बिखराव को भाजपा के लिए फायदे का सौदा माना जा रहा है।

लाल किला ब्लास्ट के बाद ऐक्शन में एलजी

दिल्ली पुलिस कमिश्नर और सीएस को दिए 5 निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने हाल ही में लाल किले के बाहर हुए आतंकवादी विस्फोट के बाद दिल्ली के पुलिस कमिश्नर और मुख्य सचिव को एहतियाती और निवारक कदम उठाने का निर्देश दिया है। एलजी सचिवालय की ओर से पुलिस कमिश्नर और मुख्य सचिव को भेजे गए अलग-अलग पत्र में पुलिस को कई निर्देश जारी किए गए हैं। बता दें कि, दिल्ली में 10 नवंबर की शाम एक हुंडई ह्व20 कार में हुए धमाके में 12 लोग मारे गए थे और करीब 24 लोग घायल हुए थे।

एलजी ने अपने पत्र में कहा है कि दिल्ली में अमोनियम नाइट्रेट का निश्चित सीमा से अधिक कारोबार करने वालों का रिकॉर्ड रखा जाए। इसके साथ ही सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म्स के साथ विचार-विमर्श कर नफरती और भड़काऊ कंटेंट पर नजर रखी जाए। सीसीटीवी कैमरा कवरेज और सुरक्षा कर्मियों की तैनाती पर नजर रखने के लिए भीड़भाड़ वाले बाजारों और बस अड्डों का सुरक्षा ऑडिट किया जाए।

एलजी की ओर से भेजे गए पत्र में क्या-क्या निर्देश दिए गए

1. एक निश्चित सीमा से अधिक अमोनियम नाइट्रेट खरीदने और बेचने वाली संस्थाओं का एक डिजिटल रिकॉर्ड बनाकर रखा जाए, जिसमें अन्य संबंधित डिटेल के अलावा खरीदारों और विक्रेताओं की तस्वीर भी शामिल हो।
2. नागरिकों का ब्रेनवॉश करने के उद्देश्य से कट्टरपंथी सामग्री की वैज्ञानिक ट्रैकिंग के लिए मेटा, ट्विटर एक्स आदि सहित सोशल मीडिया प्लैटफार्मों के प्रमुखों के साथ विचार-विमर्श करें।
3. कट्टरपंथ से ग्रस्त कमजोर क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए मानवीय और तकनीकी खुफिया जानकारी को मजबूत करें। अधिक मजबूत निवारक पुलिसिंग के लिए सामुदायिक आउटरीच और नागरिक जुड़ाव को भी बढ़ाया जाना चाहिए।
4. ऐसे मेडिकल प्रोफेशनल्स जिन्होंने दूसरे देशों से डिग्री ली है, उनकी जानकारी पुलिस डिपार्टमेंट के साथ भी शेयर की जानी चाहिए ताकि सेकेंडरी बैकग्राउंड चेक किया जा सके।
5. सेकेंड हैंड गाड़ियों की खरीद-फरोख्त में लगे सभी डिजिटल प्लैटफॉर्म और फाइनेंसर के साथ चर्चा करें। साफ निर्देश दिए जाने चाहिए कि किसी भी हालत में ऐसी गाड़ियों को चलने की इजाजत नहीं दी जाएगी जिनका असली मालिक रजिस्टर्ड मालिक से अलग हो। यह समस्या ऑटो रिक्शा के मामलों में सबसे ज्यादा गंभीर बताई जाती है, जहां परमिट होल्डर असली मालिक से अलग होता है।

लाल किले के धमाके ने दिल्ली पुलिस को बदल दिया

अब हर गाड़ी-हर बैग पर शक

नई दिल्ली, एजेंसी। लाल किले के पास हुए भयानक धमाके के बाद दिल्ली पुलिस पूरी तरह से बदल गई है। पहले जहां पुलिस की दिनचर्या में सिर्फ रूटीन चेकिंग होती थी, अब हर पुलिसवाला हर पल अलर्ट मोड में है। पार्क की हुई गाड़ी हो या दुकान के बाहर खड़ा कोई बैग अब कुछ भी सामान्य नहीं लगता। पुलिस लगातार मुस्तैद दिखाई देती है और हर गतिविधि पर पैनी नजर रखती है।टीओआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, करोल बाग के मशहूर गफ्फार मार्केट में तो माहौल ही अलग है। 10 नए-नए बोर्ड लग गए जिन पर पुलिस का नंबर चमक रहा है। ऊंचे-ऊंचे मचान और मोर्चे बन गए। हर दस मिनट में लाउडस्पीकर गरजता है- कोई संदिग्ध वस्तु दिखे तो तुरंत बताएं। मोबाइल की दुकानों को सख्त हिदायत दी गई है कि फोन देने से पहले ग्राहक का आईडी अच्छे से चेक कीजिए। स्ाह करुणा सागर ने बताया कि ब्लास्ट के अगले दिन सुबह से ही सख्ती शुरू हो गई थी। धमाके वाली शाम कोतवाली थाने में कांस्टेबल अनिल ओझा ष्टष्ठञ्जङ्क फुटेज देख रहे थे। अचानक ज़ोरदार धमाका हुआ और थाने की छत का एक टुकड़ा गिर गया। वो बताते हैं कि पहले तो लगा कोई पेड़ गिर गया, लेकिन बाहर निकले तो चीखें सुनाई दीं। सब-इंस्पेक्टर रमेश चंद उस शाम आसपास गश्त कर रहे थे। वे बताते हैं, अब सब कुछ बदल गया है। गश्त का पैटर्न, निगरानी, यहां तक कि अनाउंसमेंट का लहजा भी। अब गाड़ी रुकवा कर सबसे पहले रियर सीट में झांकते हैं। पार्किंग में चेकिंग दोगुनी कर दी। सिक्योरिटी गार्ड्स को भी ड्राइवर का भी एचएचएमडी से चेक करने के निर्देश दिए गए हैं। एसीपी अशीष कुमार बताते हैं, गफ्फार और अजमल खान मार्केट पहले से ही संवेदनशील थे, लेकिन धमाके के बाद तो डर साफ दिख रहा था। लाखों लोग आते-जाते हैं, दर्जनों गेट हैं, हमने ष्ठस्रस्ख और एचएचएमडी चेकिंग को और सख्त कर दिया।

दिल्ली के द्वारका में होगी पानी की किल्लत खत्म!

नई दिल्ली, एजेंसी। द्वारका और इसके आसपास के इलाके में पानी की किल्लत झेलने वाले लाखों लोगों को जल्द राहत मिलने वाली है। जल बोर्ड ने पानी की किल्लत दूर करने के लिए 50 एमजीडी क्षमता के द्वारका जल शोधन संयंत्र के संचालन के लिए कच्चे पानी की पुनर्वितरण योजना को अंतिम रूप दे दिया है। ओखला, वजीराबाद, निलोठी और द्वारका के प्रमुख ट्यूबवेल में उपलब्ध भूजल संसाधनों के माध्यम से यहां निर्बाध कच्चे पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। इससे द्वारका एवं आसपास के इलाकों में पानी की आपूर्ति में सुधार आएगा। जल बोर्ड की प्रस्तावित योजना के अनुसार कुल 228 ट्यूबवेल से 22.8 एमजीडी कच्चा पानी निकाला जाएगा। इसकी आपूर्ति ओखला, वजीराबाद, नांगलोई और नए द्वारका जल शोधन संयंत्र में की जाएगी। यह पूरी प्रणाली मौजूदा जल ढांचे को प्रभावित किए बिना कच्चे पानी के स्रोतों का वैज्ञानिक और संतुलित उपयोग सुनिश्चित करेगी। इस महत्वपूर्ण पहल को लेकर जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि दिल्ली की बढ़ती आबादी को बहाने नहीं बल्कि आधुनिक जल समाधान चाहिए। 50 एमजीडी क्षमता वाले द्वारका जल शोधन संयंत्र का संचालन राजधानी की भविष्य की जल आवश्यकताओं को सुरक्षित करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। मंत्री ने कहा कि पानी की हर बूंद महत्वपूर्ण है। विभाग यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि दिल्ली को उसका उचित जल हिस्सा पूरी पारदर्शिता और वैज्ञानिक योजना के साथ मिले। उन्होंने कहा कि यह केवल भूजल का पुनर्वितरण नहीं है, यह जिम्मेदारी का पुनर्वितरण है। अभी तक जिन प्रणालियों को नजरअंदाज किया गया था, उन्हें हम सुधार रहे हैं। दिल्ली के लोग इसका प्रत्यक्ष लाभ महसूस करेंगे। दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारी योजना के कार्यान्वयन के चरण में प्रवेश कर रहे हैं। इसे चरणबद्ध रूप से लागू किया जाएगा ताकि मौजूदा जल आपूर्ति बाधित न हो।

नॉर्मल लाइफ नहीं बची... किले में तब्दील हुआ अल फलाह

पुलिस के पहरे में डरे हुए हैं छात्र

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के लाल किले के बाहर 10 नवंबर को हुए धमाके ने एक निजी मेडिकल कॉलेज को रातों-रात सुर्खियों में ला दिया। फरीदाबाद का अल फलाह मेडिकल कॉलेज इन दिनों ऐसा लग रहा है मानो कोई थ्रिलर फिल्म का सेट हो। चारों तरफ पुलिस, मीडिया का हल्ला और स्टूडेंट्स-परेंट्स की धड़कनें तेज। यहां पढ़ने वाले स्टूडेंट के अभिभावकों में भी डर का माहौल है। जिस कार ने लाल किले के बाहर धमाका किया, उसे डॉ. उमर उन नबी चला रहा था। उमर अल फलाह में असिस्टेंट प्रोफेसर था। वहीं हरियाणा के जिस दौज गांव में पुलिस ने भारी मात्रा में

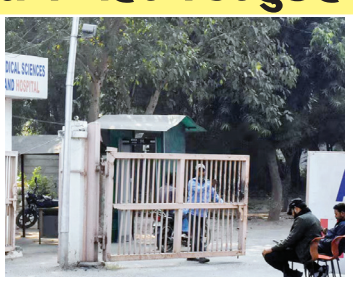

विस्फोटक बरामद किए, उस किराए के मकान का मालिक था दूसरा प्रोफेसर डॉ. मुजम्मिल शकील था। दोनों अल फलाह में पढ़ाते थे। ऐसे में अल फलाह के स्टूडेंट्स के मन में डर और कई सवाल आने लाजमी हैं। अल फलाह यूनिवर्सिटी में गुरुवार से फिर से क्लासेस शुरू हो गईं। लेकिन यूनिवर्सिटी के बाहर भारी पुलिस बल तैनात रहा। अंदर स्टूडेंट्स डरे-सहमे दिखे। वहीं स्टूडेंट्स के माता-पिता उन्हें कॉलेज छोड़ने आए और बाहर इंतजार करते रहे। अगरा से आई एक लड़की के पिता मनोज कुमार ने बताया, पहले तो घर बुला लिया था। अब वापस भेज दिया, लेकिन दिल अभी भी धुकधुक कर रहा है। साल खराब करने का मन नहीं, पर जान का भी डर है। लखनऊ से आए सुशील मेहता का बेटा यहां पढ़ता है। वो कहते हैं, बच्चे ने इतनी मेहनत की थी ह्वश्वश्वञ्ज में। अब कॉलेज को खुलकर बताना होगा कि क्या हो रहा है।

नाबालिग पत्नी संग संबंध बनाने वाले पति को दिल्ली हाईकोर्ट ने नहीं दी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने उस शख्स के खिलाफ पॉक्सो ऐक्ट का मुकदमा हटाने से इनकार किया है जिस पर आरोप है कि उसने 18 साल की कम उम्र की पत्नी के साथ संबंध बनाए। आरोपी की पत्नी ने कहा कि संबंध उसकी सहमति से बनाए गए थे, इसके बावजूद अदालत ने माफी नहीं दी और बताया कि क्यों ऐसा करना उचित नहीं होगा। आरोपी के खिलाफ यह मुकदमा 2023 में दर्ज किया गया था। अदालत ने कहा कि जिस कानून में नाबालिग से सेक्स को अपराध बताया गया है उसमें से अपवाद नहीं निकाला जा सकता है।

जस्टिस संजीव नरूला की बेंच ने कहा कि प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंस ऐक्ट (पॉक्सो) के तहत 18 साल से कम के व्यक्ति की सहमति कोई मायने नहीं रखती है। अदालत ने कहा कि संसद की ओर से 18 साल की आयु निर्धारित की गई है जिससे कम होने पर कानून सहमति से संबंध को मान्यता नहीं देता है। बेंच ने कहा, इसलिए अदालतें उन मामलों में 'सहमति से संबंध' जैसे शब्दों का इस्तेमाल करने में सावधान रहती हैं, जहां एक पक्ष कानून के अनुसार बच्चा हो।

आरोपी पति और उसके माता पिता ने पॉक्सो ऐक्ट और बाल विवाह निषेध कानून के तहत दर्ज आपराधिक मामले को खत्म करने की मांग की थी। आरोपी की पत्नी ने कहा कि उसका कभी यौन उत्पीड़न नहीं हुआ क्योंकि उसने सहमति से संबंध बनाए थे। अब बालिग हो चुकी पत्नी बच्चे के साथ अदालत में पेश हुई और कहा कि वह पति पर कार्रवाई नहीं चाहती है।

अदालत ने कहा कि इस स्थिति में आपराधिक कार्यवाही को खत्म कर देने से यह संदेश जाने का जोखिम है कि सहमति और शादी की रस्मों के आधार पर बाल विवाह और संबंध बनाना अपराध नहीं है। आरोपी के खिलाफ यह मुकदमा तब दर्ज किया गया जब घरेलू हिंसा की एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस को जांच के दौरान पता चला कि शादी के समय लड़की महज 16 साल 5 महीने की थी।

चुनाव में कैश बांटने से वेलफेयर नहीं होता

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा के वरिष्ठतम नेता मुरली मनोहर जोशी ने चुनाव के दौरान कैश बांटने को लेकर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि सभी राज्यों में समान विकास हो। संविधान की भावना को इसके जरिए ही पूरा किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि 'चुनाव में पैसा बांट देना' कोई वेलफेयर नहीं है। गुरुवार को दिल्ली में एक आयोजन को संबोधित करते हुए मुरली मनोहर जोशी ने कहा कि अंतर समाप्त करने के लिए यह जरूरी है कि छोटे राज्यों का गठन किया जाए। ऐसा यह ध्यान रखते हुए किया जाए कि सभी राज्यों की आबादी लगभग बराबर हो और उनमें लोकसभा और विधानसभा की सीटें भी लगभग समान हों।

पूर्व चुनाव आयुक्त और पूर्व लॉ सेक्रेटरी जी. कृष्णमूर्ति के 91वें जन्मदिन के मौके पर आयोजित कार्यक्रम को मुरली मनोहर जोशी संबोधित कर रहे थे। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भले ही देश के हर नागरिक के पास वोट का समान अधिकार है, लेकिन यह भी ध्यान देने की जरूरत है कि कर्नाटक, बिहार और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में रहने वाले लोगों की आर्थिक स्थिति में बड़ा अंतर है। उन्होंने कहा, 'कर्नाटक में किसी व्यक्ति की आर्थिक ताकत कितनी होती है? वह अपनी उस ताकत को बनाए रखने के लिए वोट डालता है। लेकिन जब हम रेगिस्तान, पहाड़ और पूर्वोत्तर में रह रहे लोगों की बात करते हैं तो उनकी आर्थिक स्थिति क्या रहती है।'

पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्री ने कहा कि संविधान हमें न्याय का अधिकार देता है। यह अधिकार हमें आर्थिक और राजनीतिक न्याय के लिए भी मिला है। उन्होंने कहा, 'राजनीतिक अधिकार की बात करें तो इसके लिए हमारे पास वोट का हक है।

बदला लेने को पेपर कटर से काट डाला गला

दिल्ली में सनसनीखेज मर्डर में मामा-भांजा गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के कीर्ति नगर में हुए एक सनसनीखेज मर्डर का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक आरोपी अब भी फरार है, जिसे पकड़ने की कोशिशें जारी हैं। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल हुआ हथियार पेपर कटर चाकू, पीड़ित का मोबाइल फोन और आरोपी के खून से सने कपड़े बरामद कर लिए हैं। आरोपियों ने बदला लेने के लिए हत्याकांड को अंजाम दिया था। मृतक व्यक्ति कथित तौर पर एक आरोपी की बेटी को

ब्लैकमेल और परेशान कर रहा था। डीसीपी वेस्ट डिस्ट्रिक्ट दराडे शरद भास्कर ने बताया कि 17 नवंबर को कीर्ति नगर थाने में रेलवे लाइन के पास एक व्यक्ति की लाश के बारे में एक पीसीआर कॉल मिली थी। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो रेलवे ट्रैक के बीच झाड़ियों में खून से लथपथ एक आदमी पड़ा मिला। गर्दन पर एक गहरा घाव दिख रहा था और उसका मोबाइल फोन और दूसरा सामान गायब था। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर इस संबंध कीर्ति नगर थाने में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी। खास टीम बनाई गई। मृतक की पहचान 32 वर्षीय अंगद के तौर पर हुई, जो बसई दारापुर, मोती नगर का रहने वाला था।

दिल्ली में छात्र की खुदकुशी केस में 5 बड़े खुलासे

बुली हुआ, सुसाइड के बारे में बताया था..

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के एक प्रतिष्ठित स्कूल के 16 साल के छात्र ने मंगलवार दोपहर पश्चिम दिल्ली के एक ऊंचे मेट्रो स्टेशन से कूदकर अपनी जान दे दी। पुलिस को उसके बैग से मिले हाथ से लिखे डेढ़ पन्ने के सुसाइड नोट ने सबको हिला कर रख दिया। नोट में छात्र ने साफ-साफ अपनी टीचर्स और हेडमिस्ट्रेस पर महीनों से मानसिक प्रताड़ना देने का आरोप लगाया है। घटना के दो दिन बाद ही गुरुवार को स्कूल ने हेडमिस्ट्रेस समेत तीन टीचर्स को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया। इस घटना को लेकर पांच सबसे चौंकाने वाला खुलासे हुए हैं।

परिवार और दोस्तों का दावा है कि लड़का पिछले कई महीनों से स्कूल में लगातार टारगेट

किया जा रहा था। छोटी-छोटी बातों पर पेरेंट्स को बुलाना, क्लास में गालियां देना, निकाल देने की धमकी देना ये सब रोज की बात हो गई थी। पिता ने बताया कि सोमवार को ही उसने फिर कहा था कि बहुत परेशान किया जा रहा है। मैंने बोला था बोर्ड के बाद स्कूल बदल देंगे।

सबसे दर्दनाक खुलासा ये था कि लड़के ने स्कूल की काउंसलर को पहले ही बता दिया था कि वह सुसाइड के बारे में सोच रहा है। दोस्तों के मुताबिक काउंसलर ने इसे गंभीरता से नहीं लिया और टाल दिया। सहपाठी ने बताया, हम अगले दो-तीन दिन में हेडमिस्ट्रेस से औपचारिक शिकायत करने वाले थे। बच्चे के क्लासमेट्स ने बताया कि स्कूल में टीचर्स उसे लगातार बुली कर रहे थे। एक क्लासमेट ने उसके बैग में मिले डेढ़ पेज के नोट में लिखी बातों की पुष्टि करते हुए बताया कि उसे प्रताड़ित किया जाता था।स्टूडेंट ने कहा, मेरे दोस्त ने काउंसलर को अपनी प्रॉब्लम के बारे में बताया था और हम अगले दो-तीन दिनों में हेडमिस्ट्रेस के पास फॉर्मल कंप्लेंट करने वाले थे, हालांकि उसने यह कन्फर्म नहीं किया कि विक्टिम ने

एसआईआर प्रक्रिया किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं की जाएगी : कलेक्टर

अपेक्षाकृत प्रगति प्राप्त करने के लिए सघन मॉनिटरिंग करें अधिकारी हर घंटे की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा कर सुनिश्चित करें समयबद्ध कार्य

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने बुधवार को कलेक्टर कार्यालय ने मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत की जा रही गतिविधियों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की। उन्होंने प्रत्येक विधानसभा अंतर्गत आने वाले मतदान केंद्रों में मतगणना प्रपत्रों के वितरण के पश्चात किए जा रहे डिजिटाइजेशन कार्य का गहनता से परीक्षण किया। कलेक्टर ने समस्त बीएलओ द्वारा अब तक किए जा चुके डिजिटाइजेशन के आंकड़ों की समीक्षा के आधार पर विधानसभा क्षेत्र होशंगाबाद की सबसे न्यून प्रगति पर गहन असंतोष व्यक्त करते हुए होशंगाबाद इआरओ/एसडीएम को निर्देश दिए की जिले की समग्र प्रगति में होशंगाबाद विधानसभा क्षेत्र की भी यथेष्ठ सहभागिता सुनिश्चित करे।

उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत वर्तमान प्रगति अपेक्षाकृत नहीं है जिसकी गहनता से समीक्षा अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने एसडीएम नर्मदापुरम को निर्देश दिए की जिन मतदान केंद्र पर बीएलओ द्वारा लापरवाही की जा रही है उन केंद्रों पर बीएलओ के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही प्रस्तावित कर उनके स्थान पर रिजर्व बीएलओ से कार्य करवाया जाए। कलेक्टर ने कहा कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत किया जा रहे हैं किसी भी कार्य में लापरवाही स्वीकार्य नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि होशंगाबाद विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बीएलओ की क्षमता निर्माण और प्रबंधन के कारण डिजिटाइजेशन की प्रगति कम है। उन्होंने निर्देश दिए की बीएलओ से लेकर सुपरवाइजर तक प्रत्येक स्तर पर सघन मॉनिटरिंग की अत्यंत आवश्यकता गई। कलेक्टर ने एसडीएम नर्मदापुरम को निर्देश दिए की सिटी मजिस्ट्रेट, तथा एसडीएम इटारसी के साथ संयुक्त रूप से समन्वय स्थापित कर आगामी एक दिवस में अपेक्षाकृत प्रगति दर्ज करें। इस दौरान कलेक्टर ने अन्य विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत अब तक हुई कार्यवाही की भी समीक्षा की। कलेक्टर ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिए की नगरी निकाय द्वारा सहयोग नहीं दिए जाने की किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त न हो यह सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि नगर पालिका अमले के किसी बीएलओ द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान कार्य नहीं किए जाने पर नियमनुसार कार्यवाही प्रस्तावित की जाए। उन्होंने कहा कि जिन बीएलओ द्वारा शत प्रतिशत डिजिटाइजेशन किया जा चुका है उनसे चर्चा कर उनके द्वारा अपनाई गई रणनीति का भी विश्लेषण करें। उन्होंने धीमी प्रगति वाले मतदान केंद्रों पर मॉनिटरिंग की कमी पर कड़ा असंतोष जताते हुए सुधार के निर्देश दिए। बैठक के दौरान कलेक्टर सुश्री मीना ने यह निर्देश भी दिए कि मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के पदाधिकारी के साथ भी सतत संपर्क बनाए रखें तथा उन्हें प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक जानकारी उपलब्ध करवाई जाए। कलेक्टर ने कहा कि मेप्ड डाटा का डिजिटाइजेशन पर सभी विशेष फोकस करें। साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि समस्त विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नियमित रूप से प्रत्येक घंटे की रिपोर्ट की समीक्षा कर अपेक्षित प्रगति दर्ज न होने की स्थिति में तुरंत सुधारात्मक कदम उठाए जाएं। बैठक के दौरान अपर कलेक्टर तथा उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री राजीव रंजन पांडे, एनएलएमटी श्री पंकज दुबे, निर्वाचन सुपरवाइजर श्री कैलाश दुबे सहित समस्त एसडीएम तथा अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

संभागायुक्त तथा आईजी ने सांची महोत्सव तथा मेला आयोजन की व्यवस्थाओं के संबंध में ली बैठक

रायसेन (निप्र)। जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध पर्यटन नगरी सांची में 29 तथा 30 नवम्बर 2025 को महाबोधि महोत्सव एवं मेला का आयोजन किया जाएगा। बुधवार को भोपाल संभागायुक्त श्री संजीव सिंह तथा आईजी श्री मिथलेश कुमार शुक्ला द्वारा सांची में आयोजित बैठक में महाबोधि महोत्सव तथा मेला आयोजन की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर डीआईजी श्री प्रशांत खरे भी उपस्थित रहे। प्रभारी कलेक्टर श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा तथा पुलिस अधीक्षक श्री पंकज पाण्डे ने महाबोधि महोत्सव एवं मेला आयोजन के संबंध में अभी तक की गई व्यवस्थाओं के बारे में अवगत कराया। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह तथा आईजी श्री शुक्ला ने आयोजन के दौरान सुचारू यातायात व्यवस्था, वाहन पार्किंग, सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं के बारे में अधिकारियों से विस्तृत जानकारी लेते हुए दिशा-निर्देश दिए। बैठक के उपरांत उन्होंने अधिकारियों के साथ बौद्ध स्तूप परिसर पहुंचकर भी व्यवस्थाओं के संबंध में निर्देशित किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री मनोज उपाध्याय, एएसपी श्री कमलेश कुमार, एसडीएम श्री मनीष शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की राशि बढ़ने से खुश हैं लाड़ली बहनें

रायसेन (निप्र)। प्रदेश की लाड़ली बहनों के हित में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए 'मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना' की राशि को 1250 रूपए से बढ़ाकर 1500 रूपए प्रतिमाह कर दिया गया है। इससे प्रदेश की लाड़ली बहनें बेहद खुश हैं तथा स्वयं को और अधिक सशक्त तथा आत्मनिर्भर महसूस कर रही हैं। रायसेन निवासी श्रीमती ऊषा नामदेव, कमला बाई, सीमा कुशवाह सहित अन्य लाड़ली बहनें मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की राशि 1500 रूपए प्रतिमाह करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को धन्यवाद देते हुए कहती हैं कि यह योजना वास्तव में महिलाओं को सशक्त बना रही है तथा मुख्यमंत्री द्वारा राशि बढ़ाने से यह सहयोग और भी प्रभावी हो जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत हर महीने वाली राशि उनके जीवन में बहुत मददगार साबित हो रही है, इससे उन्हें आत्मनिर्भरता मिली है। इस राशि का उपयोग वह परिवार की जरूरतों को पूरा करने में कर रही हैं तथा कुछ राशि की बचत भी कर रही है। उन्हें नवम्बर महीने में 1500 रूपए प्राप्त हुए हैं तथा आगे भी हर महीने 1500 रूपए मिलने से उनकी बचत में भी वृद्धि होगी।

नशा मुक्त भारत अभियान के 05 वर्ष पूर्ण होने पर नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सीहोर (निप्र)। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के पाँच वर्ष पूर्ण होने के अवसर आष्टा में जिला स्तरीय नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में देवास सांसद श्री महेंद्र सिंह सोलंकी, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री नरेश मेवाड़ा, आष्टा विधायक श्री गोपाल सिंह इंजीनियर सहित अनेक जनप्रतिनिधि शामिल हुए। इस अवसर पर पंजाब के अमृतसर में आयोजित राष्ट्र स्तरीय कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी दिखाया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नागरिकों विशेषकर युवाओं और छात्र-छात्राओं को नशीले पदार्थों के दुष्परिणामों से अवगत कराना और नशामुक्ति के लिए प्रेरित करना है। इसके साथ ही अभियान में सामुदायिक भागीदारी को बढाना और नशा मुक्त समाज के निर्माण की दिशा में सामूहिक प्रयासों को मजबूत करना है। इस अवसर पर सभी को नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती हेंमकुंवर रायसिंह मेवाड़ा, एसडीएम श्री नितिन टाले, उपसंचालक श्री महेश यादव सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी, युवा उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने बासौदा में एसआईआर कार्यों की समीक्षा की

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज बासौदा के पटवारी सभागार में जारी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के कार्यों का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने उपस्थित राजस्व टीम से मतदाता सूची पुनरीक्षण से जुड़े विभिन्न बिंदुओं की जानकारी ली और प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने बीएलओ के द्वारा मतदाता से संबंधित जानकारी आयोग के निर्धारित एन्युमेरेशन फार्म में प्राप्ति के उपरांत बीएलओ एप के माध्यम से दर्ज करने के कार्यों का मुआयना किया है। उन्होंने एसआईआर कार्य को अति महत्वपूर्ण बताते हुए समय सीमा में मतदाता सूची में शुद्धता संबंधी सभी प्रविष्टियों के निराकरण करने की बात कही है। उन्होंने बीएलओ द्वारा किए जा रहे मैदानी कार्यों की बारीकी से जांच करने के निर्देश मौके पर दिए हैं।। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समय सीमा में कार्य पूर्ण करने, त्रुटिरहित प्रविष्टियां सुनिश्चित करने और प्रत्येक पात्र नागरिक को मतदाता सूची में शामिल करने के कार्यों में कहीं त्रुटि ना हो पाए के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एसआईआर कार्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया की मजबूती की नींव हैं, इसलिए इन्हें गंभीरता और पारदर्शिता के साथ पूरा किया जाना चाहिए। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने इससे पहले बासौदा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय का औचक निरीक्षण किया और संधारित विभिन्न पंजियों का जायजा लिया है। निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री संतोष बिटौलिया, तहसीलदार सुश्री रितु राय भी मौजूद रही।

जिला लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड की बैठक आयोजित

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन की अध्यक्षता में बुधवार को जिला लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के उद्यमियों की प्रदूषण बोर्ड, बिजली विभाग, नगर पालिका एवं अन्य विभागों से संबंधित समस्याओं के निराकरण पर विचार विमर्श किया गया।

एसआईआर के तहत खरतलाब बना पहला 100 प्रतिशत सर्वेक्षण पूर्ण करने वाला ग्राम

कलेक्टर ने बीएलओ श्री दिलारे को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

हरदा (निप्र)। मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत हरदा जिले की विधानसभा टिमरनी के मतदान केन्द्र क्रमांक 68 खरतलाब में नियुक्त बूथ लेवल ऑफिसर श्री हंसकुमार दिलारे द्वारा 17 नवम्बर की शाम तक समस्त कार्य शतप्रतिशत पूर्ण किया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन ने मंगलवार को श्री बीएलओ श्री दिलारे को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री पुरूषोत्तम कुमार सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। बूथ लेवल ऑफिसर श्री दिलारे ने बताया कि इस कार्य को पूर्ण करने में उनके द्वारा नियमित तीन प्रशिक्षण प्राप्त किये गये। साथ ही सहयोग के लिये एक सहायक अधिकारी भी उनके साथ नियुक्त था। जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई मतदाता सूची को लेकर उन्होने गांव का घर-घर भ्रमण किया एवं बाहर से आये मतदाताओं की जानकारी प्राप्त की। जो मतदाता अथवा नव विवाहिता अन्य स्थानों से ग्राम में आये थे, उनकी जानकारी पोर्टल पर लिंक के माध्यम से प्राप्त की, जिससे सर्वेक्षण कार्य में सरलता हुई। ग्रामीणों द्वारा भी एसआईआर से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने में सहयोग किया गया, जिसके चलते तत्परता से यह कार्य पूर्ण हुआ। ग्राम चिड़गांव मतदान केन्द्र पर भी 83.64 कार्य पूर्ण हुआ इसी प्रकार हरदा विधानसभा अंतर्गत मतदान क्रमांक मतदान केंद्र क्रमांक 28 चिड़गांव के बीएलओ श्री लोकेश बिश्नोई ने सोमवार 17 नवम्बर की शाम तक 83.64 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया है। सोमवार 17 नवम्बर की शाम मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में इस कार्य की सराहना की गई। साथ ही कहा गया कि जो बीएलओ तत्परता से शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण करेंगे उनको 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर राज्य स्तर पर महामहिम राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया जाएगा। इस कार्य में जो निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी भी तत्परता से शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण करेंगे वह भी सम्मानित होंगे। उल्लेखनीय है कि जिले में कम मतदाता संख्या वाले मतदान केन्द्रों पर एसआईआर का कार्य पहले शुरू किया गया है ताकि इन मतदान केंद्रों का शत-प्रतिशत एसआईआर का शीघ्र कार्य किया जाकर आगे कार्य संपन्न किया जा सके।

तम्बाकू मुक्त युवा अभियान 3.0 अंतर्गत दिलाई गई तम्बाकू निषेध की शपथ

रायसेन (निप्र)। रायसेन स्थित खेल स्टेडियम में आयोजित सांसद खेल महोत्सव में 'तम्बाकू मुक्त युवा अभियान 3.0' के अंतर्गत नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता सेन द्वारा तंबाकू निषेध की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर सांची जनपद अध्यक्ष श्रीमती अर्चना पोर्ते, स्थानीय जनप्रतिनिधि, श्री राकेश शर्मा, नगर पालिका अधिकारी सुरेखा जाटव, सामाजिक न्याय विभाग के उपसंचालक श्री मनोज बॉथम एवं राष्ट्रीय तंबाकू एवं फ्लोरोसिस के जिला नोडल अधिकारी डॉ एमडी भारती सहित अधिकारी-कर्मचारी तथा आमजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ एमडी भारती जिला नोडल अधिकारी फ्लोरोसिस एवं राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम जिला रायसेन द्वारा विद्यालयीन छात्रों तथा किशोरों को तम्बाकू उत्पादों से होने वाले हानिकारक प्रभावों के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। डॉ एमडी भारती ने छात्रों को तम्बाकू के सेवन से उत्पन्न मुख कैंसर, दांतों के दाग, मसूड़ों की बीमारी और दंत क्षरण तथा डेंटल फ्लोरोसिस बीमारी जैसी गम्भीर समस्याओं के बारे में जागरूक किया तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने 'तम्बाकू मुक्त जीवन' की शपथ ली और यह भी संकल्प लिया कि वे स्वयं भी तम्बाकू से दूर रहेंगे और दूसरों को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करेंगे। इस जनजागरूकता पहल का उद्देश्य युवाओं में तम्बाकू विरोधी चेतना को बढ़ावा देना और एक स्वस्थ, तम्बाकू-मुक्त भारत का निर्माण करना है। इस कार्यक्रम के उपरांत जिला चिकित्सालय रायसेन में जिला तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ की संयुक टीम जिसमें सीएमएचओ डॉ एचएन मांड्रे, सिविल सर्जन डॉ यशपाल बाल्यान, एसडीओपी आदि ने संयुक्त रूप से जिला चिकित्सालय में बीड़ी-सिगरेट तम्बाकू का सेवन करते हुए पकड़े गए आठ लोगों पर अधिनियम 2003 की धारा 4,6 (अ)/6(ब) के तहत चालानी कार्यवाही कर 970 रूपए जुर्माना लगाया गया तथा उक्त राशि शासन के खाते में जमा की गई।

राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत दिलाई शपथ

हरदा (निप्र)। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत तंबाकू मुक्त युवा अभियान के लिए बुधवार को महाविद्यालयीन विद्यार्थियों को तम्बाकू का सेवन न करने की शपथ दिलाई गई। इस दौरान शासकीय स्वामी विवेकानंद कॉलेज एवं पालीटेक्निक कॉलेज के छात्र छात्राओं को जिला नोडल अधिकारी डॉ. पीयूष दोगने एवं डॉ आयुषी गुप्ता ने तम्बाकू का सेवन नहीं करने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य श्रीमती संगीता बिले के साथ सभी शिक्षक भी उपस्थित रहे। हरदा डिग्री कॉलेज हरदा में मास्टर ट्रेनर नशा मुक्त भारत अभियान नीरज गुर्जर द्वारा छब्ब् कैडेट्स को शपथ दिलवाई गई तथा समाज में नशा मुक्त बनाने हेतु जागरूकता अभियान चलाने की अपील की गई।

कलेक्टर ने एसआईआर प्रक्रिया का निरीक्षण कर दिए कार्य में तेजी लाने का निर्देश

तेजी से कार्य के लिए बीएलओ को किया प्रोत्साहित

एसआईआर प्रक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसमें लापरवाही न बरती जाए : कलेक्टर

सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को समयबद्ध और प्रभावी रूप से पूर्ण कराने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बालागुरू के. ने ग्राम बिलकिसगंज, बरखेड़ी, पिपलिया मीरा, बिजलोन और खेड़ली सहित कई मतदान केंद्रों पर चल रही एसआईआर प्रक्रिया का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर किए जा रहे गणना पत्रक वितरण, संकलन तथा बीएलओ ऐप पर अपलोड की स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने सभी बीएलओ से चर्चा कर प्रगति की जानकारी ली और उन्हें निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने बीएलओ से कहा कि एसआईआर प्रक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए फॉर्म भरने से लेकर डिजिटलीकरण तक किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। इस दौरान उन्होंने उन क्षेत्रों में भी वास्तविक स्थिति देखी आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कार्यस्थल पर अनुपास्थित बीएलओ एवं संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश देने के लिए कहा। उन्होंने कहा सभी बीएलओ एवं संबंधित अधिकारी समय पर अपने कार्यस्थल पर उपस्थित हों और एसआईआर कार्य को प्राथमिकता दें। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने यह भी बताया कि जिले की एसआईआर प्रगति लगातार बेहतर हो रही है, लेकिन इसे और तेज करने की आवश्यकता है ताकि मतदाता सूची का अद्यतन कार्य समय पर और गुणवत्ता के साथ पूरा किया जा सके। उन्होंने बीएलओ को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जिले के कई बीएलओ अपने उत्कृष्ट कार्य के कारण राज्य स्तर पर सम्मानित हुए हैं, जो अन्य कर्मचारियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने निरीक्षण के दौरान स्थानीय अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि एसआईआर कार्य से संबंधित किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या, फॉर्म उपलब्धता, अपलोडिंग या सत्यापन कार्य में बीएलओ को हर संभव सहायता शीघ्रता से उपलब्ध कराई जाए, ताकि कार्य में किसी भी प्रकार की बाधा न आए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्रीमती स्वाति मिश्रा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

18 बीएलओ ने मतदाताओं के गणना फॉर्म का डिजिटाइजेशन का सराहनीय कार्य किया

विदिशा (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुपालन में निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 फिर का कार्यक्रम जारी है जिसके अंतर्गत विदिशा जिले के बीएलओ द्वारा मतदाताओं के गणना फॉर्म का डिजिटाइजेशन का कार्य सराहनीय रहा है। बीएलओ द्वारा मतदाताओं के गणना फॉर्म का डिजिटाइजेशन के सराहनीय कार्य में उपलब्धि परिलक्षित करते हुए विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 148 शमशाबाद के मतदान केंद्र क्रमांक 139 के बीएलओ श्री वीरेंद्र सिंह यादव ने 79.02 प्रतिशत गणना फॉर्मों का डिजिटाइजेशन का कार्य किया है। इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 144 विदिशा के मतदान केंद्र क्रमांक 12 के बीएलओ श्री मनोज कुमार साहू द्वारा 77.29 प्रतिशत, मतदान केंद्र क्रमांक 273 के बीएलओ श्री दिनेश कुमार अहिरवार ने 68.02 प्रतिशत, मतदान केंद्र क्रमांक 65 की बीएलओ श्रीमती अर्चना त्रिपाठी ने 65.63 प्रतिशत, मतदान क्रमांक 01 के बीएलओ श्री कमलेश कुमार सक्सेना ने 64.64 प्रतिशत, मतदान केंद्र क्रमांक 47 की बीएलओ श्रीमती मरियम कुल्लू ने 62.45 प्रतिशत, मतदान केंद्र क्रमांक 247 के बीएलओ श्री नवीन शर्मा ने 60.16 प्रतिशत, मतदान केंद्र क्रमांक 45 के बीएलओ श्री नरेंद्र रघुवंशी ने 59.74 प्रतिशत, मतदान केंद्र क्रमांक 11 की बीएलओ श्रीमती कल्पना राजपूत ने 59.08 प्रतिशत, मतदान केंद्र क्रमांक 46 की बीएलओ सुशीला भास्कर ने 58.23 प्रतिशत, मतदान केंद्र क्रमांक 272 के बीएलओ श्री सुभाष चंद्र मीणा ने 57.21 प्रतिशत, मतदान केंद्र क्रमांक 18 के बीएलओ श्री हरि सिंह रघुवंशी ने 52.99 प्रतिशत के अलावा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 145 बासौदा के मतदान केंद्र क्रमांक 80 के बीएलओ शशि शर्मा ने 64.86 प्रतिशत, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 146 कुरवाई के मतदान केंद्र क्रमांक 140 के बीएलओ श्री धर्मेंद्र रघुवंशी ने 76.18 प्रतिशत, मतदान केंद्र क्रमांक 199 के बीएलओ श्री राजेश कुर्मी ने 54.78 प्रतिशत, मतदान केंद्र क्रमांक 110 के बीएलओ श्री वकील सिंह ने 54.76 प्रतिशत, मतदान केंद्र क्रमांक 70 के बीएलओ श्री कमलेश बैरागी ने 51.26 प्रतिशत और मतदान केंद्र क्रमांक 72 के बीएलओ श्री जसवंत सिंह बघेल ने 50.26 प्रतिशत डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा कर लिया गया है। विदिशा जिला अंतर्गत 125836 मतदाताओं के गणना फॉर्मों का डिजिटाइजेशन किया गया है।

घरेलू हिंसा क्या महिला पुलिस के साथ भी होती है..एक छात्रा ने सूबेदार मेघा शर्मा से पूछा...

विदिशा (निप्र)। पुलिस सेवा लड़कियों को आत्मनिर्भर, साहसी और नेतृत्व-क्षमता से सम्पन्न बनाती है। कठोर प्रशिक्षण से उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे समाज में प्रेरणा का स्रोत बनती हैं। सरकारी नौकरी होने के कारण इसमें सुरक्षा, सम्मान, स्थिर आय और करियर वृद्धि जैसे अवसर भी उपलब्ध होते हैं, जो महिलाओं के लिए एक मजबूत भविष्य सुनिश्चित करते हैं। लड़कियों का पुलिस बनना न केवल व्यक्तिगत सफलता बल्कि समाज के सशक्तिकरण का प्रतीक भी है। यह बात सूबेदार मेघा शर्मा ने कही। शासकीय आदर्श महाविद्यालय विदिशा में आयोजित छह दिवसीय कार्यशाला के तीसरे दिन छात्राओं ने मेघा शर्मा से उनके जीवन और भविष्य में आने वाली चुनौतियों को लेकर भी कई सवाल किए। इस मौके पर सूबेदार भागीरथ प्रसाद ने कहा की लड़कियों का पुलिस बनना न केवल व्यक्तिगत सफलता बल्कि समाज के सशक्तिकरण का प्रतीक भी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ.ब्रह्मदीप अलूने ने की वहीं संचालन डॉ अनीता शाक्य ने किया। विशेष व्याख्यान हिंदी पर डॉ स्मिता सिंघई ने किया। 22 नवम्बर तक चलने वाली कार्यशाला के चैथे दिन गुरुवार को सूबेदार आशीष रॉय विद्यार्थियों के बीच होंगे। वहीं सामान्य विज्ञान पर डॉ अनीता शाक्य और डॉ सुषमा सिसोदिया का विशेष व्याख्यान होगा।

सूबेदार मेघा शर्मा से विद्यार्थियों ने किए दिलचस्प सवाल

छात्रा-सलोनी खंगार
प्रश्न- रात को महिला पुलिस को ड्यूटी करने में क्या क्या समस्याएं सामने आती है..।

उत्तर-कानून और व्यवस्था बनाएं रखना पुलिस का काम है और पुलिस इसे मुस्तैदी से करती है। महिला पुलिस के लिए रात को ड्यूटी करना वैसे ही है,जैसे कोई पुरुष। महिला सुरक्षा को लेकर कानून सख्त किए गए है,जिसका खौफ अपराधियों पर भी रहता है । विभाग का समन्वय भी बेहतर होता है। इसलिए आमतौर पर ऐसी कोई विशेष समस्या नहीं आती।

छात्रा-मनीषा अहिरवार: प्रश्न- घरेलू हिंसा क्या महिला पुलिस के साथ भी होती है..।

उत्तर - बिल्कुल हो सकती है । हिंसा का संबंध किसी पद से नहीं होता बल्कि आदतों और मस्तिष्क से होता है। घरेलू हिंसा की संभावना उन महिलाओं के साथ ज्यादा होती है जो पहली बार सह लेती है। एक बार महिला पर हाथ उठाने वाला पुरुष ऐसा बार बार करता है। किसी भी महिला को चाहिए की पहली बार ही उसका प्रतिकार कर दे,घरेलू हिंसा फिर कभी नहीं होंगी।

छात्र-सुखदेव सेन : प्रश्न- महिला और पुरुष की पुलिसिंग में क्या अंतर है....।

उत्तर -पुलिसिंग,पुलिसिंग होती है इसका महिला या पुरुष होने से फर्क नहीं पड़ता। जो ड्यूटी के दौरान कार्य करना होता,सभी करते है। फिर भी पुरुष और महिला को लेकर सामाजिक मनोयोग थोडा अंतर पैदा कर सकता है। हिंसा से प्रभावित कोई भी महिला,महिला पुलिस के सामने अपनी बात को बेहतर तरीके से रखती है। वहीं बच्चों की महिला पुलिस से जुड़ने या भरोसा करने की सम्भावना ज्यादा बढ़ जाती है।

छात्रा-हर्षिता चैबे : प्रश्न- ग्रामीण इलाकों और शहरी इलाकों में पुलिसिंग करने में क्या अंतर है... ।

उत्तर - ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की समस्याओं में अंतर होता है। ग्रामीण क्षेत्र के लोग आमतौर पर भोले भाले होते है, एक दूसरे से परिचित होते है और वे पुलिस से सहज जुड़ जाते है। वहीं शहरी क्षेत्रों में ज्यादा चैकन्ना रहने की जरूरत होती है । भीड़ के बीच अनजान लोग और आवाजाही पर नजर रखना होती है।

छात्रा-नैनसी चैबे: प्रश्न - जब पुलिस में आपकी नौकरी लगी तो समाज का क्या नजरिया था।

उत्तर- मैं एक बहुत ही मध्यमवर्गीय परिवार से हूँ। पुलिस की तैयारी करते हुए पिताजी से यह बात साझा नहीं करती थी,माँ हमेशा प्रोत्साहित करती रही। लेकिन जब चयन हो गया तो अब पिताजी भी गर्व करते है। बेटियां अब पुलिस बनकर भी सफल हो रही है और अब माता पिता पुलिस या सेना में जाने के लिए बेटियों को प्रोत्साहित करने लगे है।

संपादकीय

राहत नहीं, सख्ती चाहिए...

विभिन्न परियोजनाओं को पर्यावरणीय मंजूरी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही फैसले को पलट कर भले केंद्र और राज्य सरकारों को राहत दे दी हो, लेकिन इससे पर्यावरण को राहत नहीं मिलने वाली। क्लाइमेट चेंज के खतरों को देखते हुए अब कठोर निर्णयों की जरूरत है। शीर्ष अदालत के पास भविष्य के लिए नजीर पेश करने का मौका था। सुप्रीम कोर्ट का पहला आदेश 16 मई को आया था। इसके मुताबिक, लगभग 20 हजार करोड़ रुपये के उन प्रॉजेक्ट्स को ध्वस्त करने का आदेश दिया गया था, जिन्हें बनाने से पहले नियमों के मुताबिक पर्यावरणीय मंजूरी नहीं ली गई थी। इन्हें बाद में जुर्माना वसूलने के बाद क्लियरेंस मिली। अब नए फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर मई का आदेश वापस नहीं लिया जाता तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। तीन जजों की बेंच में शामिल चीफ जस्टिस बीआर गवई का सवाल बिल्कुल वाजिब है कि क्या ऐसी सभी परियोजनाओं को ध्वस्त कर देना और सरकारी खजाने से खर्च किए गए धन को कूड़ेदान में जाने देना जनहित में होगा? लेकिन, यह सवाल भी उठता है कि सार्वजनिक हित के नाम पर सार्वजनिक हित को नुकसान पहुंचाने वाले कामों में कब तक ढील दी जाएगी। इन परियोजनाओं को गिराने से एक बार नुकसान होता। लेकिन इनकी वजह से पर्यावरण को जो क्षति पहुंची, उसका असर शायद कभी कम न किया जा सके। विकास परियोजनाओं के नाम पर प्रकृति से होने वाली छेड़छाड़ का दुष्परिणाम आर्थिक नुकसान से ज्यादा गंभीर है। देश के हिमालयी राज्य इसका उदाहरण है, जहां इस साल आपदाओं की बारिश हुई या फिर राजधानी दिल्ली और दूसरे महानगर जिनमें सांस लेना लगातार दूभर होता जा रहा है। इसके बाद भी सरकारें और जिम्मेदार संस्थाएं सबक नहीं ले रहीं। ग्रेट निकोबार आईलैंड प्रॉजेक्ट जैसी योजनाएं पर्यावरणविदों को गंभीर चिंता में डालने वाली है। आदर्श रूप से 33त्न भूभाग पर वन या हरियाली होनी चाहिए।

कैसे राज्य दर राज्य सिमटती गई कांग्रेस! राहुल गांधी की हर चाल हुई फेल?

बिहार विधानसभा चुनावों में सत्तारूढ़ एनडीए ने 243 में से 202 सीटें जीतकर राज्य की सत्ता में वापसी की, जबकि विपक्षी महागठबंधन को केवल 35 सीटों पर समेट दिया। एनडीए की जीत में भाजपा सबसे आगे रही, जिसने 89 सीटें हासिल कीं, उसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जदयू ने 85 और चिराग पासवान के नेतृत्व वाली लोजपा (रालोद) ने 19 सीटें हासिल कीं। महागठबंधन दलों में प्रमुख दल राजद की सीटें घटकर 25 रह गईं, जबकि कांग्रेस को केवल 6 सीटें ही मिल सकीं। बिहार में 2024 के लोकसभा चुनावों में, एनडीए ने कुल 40 सीटों में से 30 सीटें जीतीं, जिसमें भाजपा और जदयू को 12-12 सीटें मिलीं। लोजपा (रालोद) ने 5 सीटें जीतीं, जबकि हम (एस) को 1 सीट मिली। महागठबंधन ने 9 सीटें जीतीं, जिसमें राजद को 4, कांग्रेस को 3 और भाकपा (माले) एल को 2 सीटें मिलीं। शेष एक सीट एक निर्दलीय ने जीती।

(आशुतोष कुमार पांडेय)

बिहार की स्थिति: बिहार के अलावा, भाजपा ने हाल के वर्षों में कई चुनावों में, चाहे अकेले लड़ रही हो या एनडीए गठबंधन के साथ, शानदार जीत हासिल की है और कई राज्यों में विपक्ष को धूल चटाई है। आइए, ऐसे ही कुछ राज्यों पर एक नज़र डालते हैं। 288 सदस्यीय महाराष्ट्र विधानसभा के लिए नवंबर 2024 में हुए चुनावों में, महायुति या एनडीए ने 232 सीटें जीतकर भारी जीत दर्ज की, जिसमें भाजपा 132 सीटों के साथ शीर्ष पर रही, उसके बाद एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को 57 और अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी को 41 सीटें मिलीं। विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सिर्फ 46 सीटें जीत सकी, जिसमें उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) को 20 सीटें, शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एसपी) को 10 और कांग्रेस को 16 सीटें मिलीं। हालांकि, विधानसभा चुनावों से छह महीने पहले हुए लोकसभा चुनावों में महायुति को केवल 17 सीटें (भाजपा की 9, शिवसेना की 7 और एनसीपी की 1) मिलीं थीं, जबकि एमवीए को 30 सीटें (कांग्रेस की 13, शिवसेना-यूबीटी की 9 और एनसीपी-एसपी की 8) मिलीं थीं।

ओडिशा की स्थिति: 2024 के ओडिशा विधानसभा चुनावों में, भाजपा पहली बार अपने दम पर राज्य में सत्ता में आई और बीजद प्रमुख नवीन पटनायक के पांच कार्यकाल के शासन का अंत हुआ। भाजपा ने राज्य की 147 सीटों में से 78 सीटें जीतीं, जबकि बीजद को 51 और कांग्रेस को 14 सीटें मिलीं। ओडिशा में एक साथ हुए लोकसभा चुनावों में भाजपा ने 21 में से 20 सीटें जीतीं, जबकि एक सीट कांग्रेस के खाते में गई। बीजद इस चुनाव में अपना खाता भी नहीं खोल पाई। 2019 के विधानसभा चुनावों में, बीजद ने ओडिशा में भारी जीत के साथ सत्ता में वापसी की थी, जिसमें भाजपा की 23 सीटों की तुलना में 112 सीटें हासिल हुई थीं।

आंध्र प्रदेश की स्थिति: आंध्र प्रदेश में भी 2024 में एक साथ लोकसभा और विधानसभा चुनाव हुए। एनडीए, जिसमें एन चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली टीडीपी और पवन कल्याण के नेतृत्व वाली जनसेना पार्टी (जेएसपी) के अलावा भाजपा शामिल है, ने लोकसभा चुनावों में 25 में से 21 सीटें जीतकर सत्ताधारी भाजपा के खिलाफ जीत हासिल की। वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआरसीपी को 4 सीटें मिलीं। एनडीए के सहयोगियों में, टीडीपी ने 16, भाजपा ने 3 और जेएसपी ने 2 सीटें जीतीं। विधानसभा चुनावों में एनडीए ने 175 में से 164 सीटें हासिल कीं। टीडीपी ने 144 सीटों पर लड़कर 135 सीटें जीतीं। जेएसपी ने सभी 21 सीटों पर जीत हासिल की, जबकि भाजपा ने 10 सीटों पर लड़कर 8 सीटें जीतीं। वाईएसआरसीपी को सिर्फ 11 सीटें मिलीं। विपक्षी कांग्रेस वापसी करने में नाकाम रही और उसे 66 सीटें ही मिलीं। 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा ने राज्य में फिर से जीत हासिल की और सभी 29 सीटें जीत लीं। दिसंबर 2022 में हुए गुजरात विधानसभा चुनावों में, सत्तारूढ़ भाजपा ने 182 में से 156 सीटें जीतकर सत्ता में वापसी की। यह राज्य के चुनावी इतिहास में किसी भी पार्टी द्वारा हासिल की गई सर्वोच्च संख्या थी। कांग्रेस को अपनी सबसे बुरी हार का सामना करना पड़ा, उसे केवल 17 सीटें मिलीं, जबकि आम आदमी पार्टी (आप) ने पाँच सीटें जीतीं। 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा 25 में से 24 सीटें जीतेगी, जबकि कांग्रेस को केवल एक सीट मिलेगी।

अखबारी कागज पर खाना खाकर बीमारी बुलाते लोग

(पंकज चतुर्वेदी)

हाल ही में मध्य प्रदेश के एक सरकारी स्कूल के बच्चों को मिड-डे मील कागज पर परोसने को लेकर काफी विवाद हुआ। भारत में 'स्ट्रीट फूड' संस्कृति हमारी जीवन-शैली का एक अभिन्न अंग है। गरमागरम समोसे, कुरकुरे पकौड़े, चटपटी चाट हो या नमकीन- इन व्यंजनों का आकर्षण किसी से छिपा नहीं है। लेकिन एक आदत है, जो इस आकर्षण पर एक गहरे काले धब्बे के समान है = अखबार या मुद्रित कागज में पकवानों को लपेटना या परोसना। यह पुराना, सहज व सस्ता चलन, जिसे हम सामान्य बात मानकर नजरअंदाज कर देते हैं, वास्तव में हमारे स्वास्थ्य के लिए गंभीर और अनसुना संकट है।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण, यानी एफएसएसएआई ने बार-बार इस चलन के खिलाफ कठोर चेतावनी जारी की है। यहां तक कि खाद्य सुरक्षा और मानक (पैकेजिंग) विनियम- 2018 के तहत इसे प्रतिबंधित किया गया है, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका पालन आज भी एक बड़ी चुनौती है। आजकल के अखबार केवल काली स्याही से नहीं छपते, इसे रंगीन बनाते हैं बहुत से जहरीले रसायन। हालांकि, ये रसायन शब्दों और छवियों को कागज पर चिपकाने में मदद करते हैं। खनिज तेल लगभग सभी मुद्रण स्याही में पाए जाते हैं, विशेष रूप से इनमें मिनरल ऑयल हाइड्रोकार्बन का उपयोग होता है। एफएसएसएआई के अनुसार, इन मिनरल ऑयल में से कुछ कार्सिनोजेनिक, यानी कैंसर पैदा करने वाले होते हैं। इनमें पॉली साइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन होता है, जो त्वचा, फेफड़े और मूत्राशय के कैंसर का बड़ा कारक है। यदि बच्चे नियमित रूप से इस तरह की स्याही वाले कागज पर खाते हैं, तो उनका विकास देर से होता है और वे एकाग्रता संबंधी समस्याओं या सीखने की कठिनाइयों के शिकार हो सकते हैं। गौर कीजिए, कागज पर खाने की चीजें परोस देने का संकट दूरस्थ अंचलों में अधिक है और वहीं पर बच्चों में स्कूल छोड़ने की संख्या अधिक है।

इस तरह के छपे हुए कागज में एक और खतरनाक रसायन होता है- बीपीए (बिस्फेनॉल ए), जो हमारे हार्मोन पर हमला करता है। इसे लड़कियों में समय से पहले पीरियड आने और पुरुषों में बांझपन से जोड़ा गया है। स्याही का एक और घटक, थैलियम भी हार्मोन के साथ छेड़छाड़ करने वाला तत्व माना जाता है। सन् 2023 में शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के एक अध्ययन में पाया गया कि युवाओं में ऑक्सीडेटिव तनाव बढ़ रहा है, जिसका बड़ा कारण जहरीली स्याही का गरम खाद्य पदार्थों से मिल जाना है।

अधिकांश अखबार री-साइकिल किए गए कागज पर छापे जाते हैं, जिसे बनाने की प्रक्रिया पहले ही अस्वच्छ होती है। फिर प्रिंटिंग प्रेस से होते हुए विक्रेता तक पहुंचने में अखबार कई सतहों, हाथों और धूल-मिट्टी के संपर्क में आते हैं। ऐसे में, जब इनमें भोजन परोसा जाता है, तो बैक्टीरिया खाने में चले जाते हैं, जिससे खाद्य विषाक्तता, गंभीर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल संक्रमण और डायरिया जैसी समस्याएं हो सकती हैं। बच्चों और बुजुर्गों पर इसका प्रभाव बहुत अधिक होता है। सबसे बड़ी बात यह कि स्याही से उपजे जहरीले तत्व आपको न स्वाद में, न गंध में महसूस होते हैं, और न ही इस बारे में व्यापक जागरूकता है। इसका बुरा असर धीरे-धीरे सामने आता है। इसकी शुरुआत पेट की समस्याओं से होती है, जैसे एसिडिटी या मरोड़ उठने के रूप में। फिर चिड़चिड़ापन, मूड स्विंग होने के अलावा हार्मोन के असंतुलन से जुड़े कई रोग भी शरीर में घर कर जाते हैं। समय के साथ-साथ ऐसे रोग बढ़ते जाते हैं।

जाहिर है, छपे हुए कागज पर खाने का सामान बेचना एक आदत बन चुका है, जिसका अभी तक किसी ने विरोध किया नहीं, वरना इस पर पाबंदी के लिए किसी कानून की जरूरत नहीं है। अखबार कहानियां सुनाते हैं। मगर जब उसे हमारे खाने में लिपटा जाता है, तो वह उस कहानी का हिस्सा बन जाता है, जिसके बारे में हमने कभी सोचा भी नहीं था। स्वस्थ भारत की दिशा में यह एक छोटा, पर महत्वपूर्ण कदम है कि हम जहर लपेटने की इस आदत को तुरंत त्याग दें। ग्राहकों और विक्रेताओं की सामूहिक जिम्मेदारी ही हमें इस 'साइलेंट हेल्थ इमरजेंसी' से बाहर निकाल सकती है। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

वर्ग पहेली 5920

संकेत: बाएं से दाएं
1. 26 मार्च 1971 को यह देश पाकिस्तान से अलग हो गया यह देश इस तारीख को स्वतंत्रता दिवस मनता है (4)
4. रामायण के अनुसार यह बलि का पुत्र था (3)
6. देशद्रोही, वतन से गद्दारी करने वाला (5)
8. पढ़ने वाला, किसी विश्वविद्यालय का प्राध्यापक (3)
10. काबू, बूता, समार्थ्य (2)
12. बहुमूल्य, कीमती (2)
13. मातृ, मां, पैदा करने वाली स्त्री (2)
14. अवकाश, कोई कार्य न होने की अवस्था (4)
15. अवलंब, आधार, सहारा (3)
16. इंतजाम, बंदोबस्त, कायदगी (3)
18. काबिल, योग्य, सामर्थ्यवान (3)
20. प्रत्येक पक्ष की दूसरी तिथि (2)
21. सहायता करने वाला, सहायता दाता, संरक्षणपूर्ण सहायक (5)

ऊपर से नीचे
1. वंशी, मुरली, इस वाद्य का आविष्कार मतंग ने किया था (3)
2. पति का छोटा भाई (3)
3. सौ की पूर्ण संख्या, शतक (2)
4. नियंत्रण, गजबांक, भेदिया (3)
5. चेतनहीन, मूर्च्छा (2)
7. हिंदी माह की प्रत्येक पक्ष की नौवीं तिथि (3)
9. पश्चिमी अफ्रीका में स्थित एक देश सेनेगल की यह राजधानी है, उदानवायु (3)
11. नक्षत्र, तारा, स्टार (3)
12. देव्य, जो देने योग्य हो (3)
13. माह, तीस दिन का समय (2)
14. भुलाव देकर चुप या शांत करना (4)
15. श्रद्धा भाव, अकीदा, निष्ठा (2)
17. विद्यमानता, मौजूदगी, अस्तित्व (3)
19. अल्प, जरा, थोड़ा (2)
20. अतिकाल, विलंब, जितना समय लगना चाहिए उससे अधिक समय (2)

वर्ग पहेली 5919 का हल

ग्री	क		क	जा	कि	स्ता	न
न	ल		था		सा	व	न
रू	प	क			न	क	द
म	ना	ना		सु			
		ग	ल	त	फ	ह	मी
त	ला	त	ल		ट	ह	
ब	ल		क		का		नं
	च	क्षु		प	र	दा	दा

संसाधनों की अपनी सीमा

डॉ विजय गर्ग

विकास की बेलगाम दौड़ में आज मनुष्य एक ऐसी स्थिति में आ खड़ा हुआ हुआ है, जहां आने वाले समय में उसके सामने खत्म होते प्राकृतिक संसाधनों का भीषण संकट उत्पन्न होने वाला है। यह संसाधनों के अति दोहन का ही परिणाम है कि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक ऐसी अभावग्रस्त और संकटपूर्ण दुनिया सौंपने की कगार पर हैं, जिसमें कहीं जल संकट होगा तो कहीं प्राकृतिक संसाधनों के अति दोहन से उपजी प्रकृति प्रदत्त समस्याएं, जैसे वनों के अतिदोहन से हुई पेड़ों की कमी और उसके परिणामस्वरूप मौसम और मानसून चक्र में परिवर्तन, नदियों का सूखना एवं दूषित होना, भूमि के दोहन से उपजी भूमि की उर्वरहीनता आदि । इन सारी समस्याओं की जड़ में प्रमुख है, आवश्यकता से अधिक चीजों का उपयोग करना । यानी हम अपनी आवश्यकता को बिना सोचे-समझे ही अपने घर और जीवन में चीजों का अंबार लगाते जा रहे हैं। नतीजतन, संसाधनों पर दबाव बढ़ता ही जा रहा है। कभी हमारे पास कुछ सीमित संख्या में कपड़े, बर्तन, फर्नीचर, इलेक्ट्रोनिक उपकरण आदि होते थे, आज हमारी आलमारियां, रसोई, कमरे सब भरे पड़े रहते हैं। फिर भी हमें जरूरत न होने पर भी चीजों को खरीदने में कोई हिचक नहीं होती। कभी रियायती प्रस्ताव वाले %सेल% लगे होते हैं, कभी %कैश बैक% के लालच में पड़कर और कभी दूसरों के पास किसी चीज को देखकर हम बस खरीदते ही रहते हैं । इस प्रकार, घर सामानों और कपड़ों से भर जाता है। प्रति व्यक्ति खपत न केवल संसाधनों पर दबाव बढ़ाता है, बल्कि उससे ग्रीनहाउस गैसों में भी वृद्धि होती है और अन्य पर्यावरणीय कारक भी बुरी तरह प्रभावित होते हैं।

जब तक हम अपनी आवश्यकताओं को नहीं समझेंगे और बिना सोचे-समझे केवल लोगों को देखकर या आकर्षक प्रस्ताव के लालच में पड़कर चीजें बटोरते रहेंगे, तब तक संसाधनों का उचित उपयोग संभव नहीं हो पाएगा। हर व्यक्ति की नैतिक जिम्मेदारी होती है कि वह इस भावना से काम करे कि %विश्व का कल्याण हो। हम इस विश्व के एक अंश के समान हैं और हमें अपने अंश के कर्तव्यों को समझना होगा। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारा इस पृथ्वी के लिए जो कर्तव्य है, वह उचित तरीके से निर्वहन हो । हम अपनी आवश्यकताओं को सीमित कर सकते हैं। उसके लिए हमें मानासिक रूप से दृढ़ होना होगा। क्या आवश्यक है और क्या आवश्यक नहीं है, उसमे भेद करके स्वयं को प्रशिक्षित करना होगा। आज के दौर में एक क्लिक पर सारी चीजें उपलब्ध हैं। यह आसानी से उपलब्ध होना ही कहीं हमें

अतिभौतिकवादी तो नहीं बनाती जा रही है, इस पर भी गौर करने की आवश्यकता है। खुद को रोकना होगा, ताकि हम अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए कहीं एक अभावग्रस्त दुनिया छोड़ कर न जाएं। हमें यह भी धारण करना होगा कि हम अपने हिस्से के दायित्वों का अच्छी तरह से निवर्हन करें। कभी यह न सोचें कि एक मेरे ही जागरूक होने से क्या ही बदल जाएगा।

हमें जीवन के उन मूल्यों को भी समझना होगा, जिसमें चीजों के सीमित उपयोग को बढ़ावा दिया जाता है । इस भाव को अपनाकर हम कम से कम में जीवन जीने की कला सीख सकते हैं। हम इस भाव से भी मुक्त हो जाएंगे कि चीजों को बटोरने मात्र से ही जीवन सुखमय हो सकता है।

आज का राशिफल

मेष
आज दांपत्य जीवन में आज के दिन कुछ उथल-पुथल देखने को मिल सकती है। शाम के बाद घर परिवार में मनमुटाव की स्थिति पैदा हो सकती है। ऐसे में आपकी मनोदशा तनाव से ग्रस्त रहेगी। अपने प्रेम का खुलासा करना का आज सही दिन नहीं है। इससे पारिवारिक वातावरण परेशान करने वाला हो सकता है।

वृष
आज के दिन कामकाजी गतिविधियों को जरूरत के मुताबिक संचालित करने में आप सफल रहेंगे। आपके करीबी लोग आपकी मदद करने को तैयार रहेंगे, लेकिन उन पर पूरी तरह निर्भर होना ठीक नहीं रहेगा। किसी पर आंख बंद करके विश्वास करना आगे चलकर परेशानी का कारण बन सकता है।

मिथुन
आज के दिन थोड़ा सतर्क रहना होगा। अगर आप अपने करियर में बदलाव लाने की कोशिश कर रहे हैं तो अभी परिस्थिति ठीक नहीं हैं। किसी भी काम में हाथ डालने से पहले अपने जीवनसाथी से सलाह ले लें। सोच-समझकर निर्णय लेकर आगे बढ़ना लाभदायक रहेगा।

कर्क
आज आप व्यापार में कोई नई शुरुआत करने पर विचार कर सकते हैं। इस प्रयास में आपको कुछ पुराने मित्रों से आर्थिक सहयोग भी मिल सकता है। इससे आपका आत्मविश्वास और बढ़ेगा। आज के दिन मदद देना भी आपके लिए फायदेमंद साबित होगा।

सिंह
आज के दिन घूमने-फिरने या किसी छोटी यात्रा की योजना बन सकती है। इसके लिए पहले से तैयारी करना जरूरी होगा। बीच में कुछ अधूरे काम भी पूरे करने पड़ेंगे। दोपहर के बाद कामकाज और इधर-उधर की भागदौड़ अचानक बढ़ सकती है।

कन्या
आज के दिन आप जिस भी काम को करने का संकल्प लेंगे, उसके पूरे होने की संभावनाएं काफी मजबूत रहेगी। एडमिशन कराना हो, यात्रा पर जाना हो या कोई जरूरी सामान खरीदना हो इन सभी कार्यों में आपको सफलता मिलेगी।

तुला
आज तीर्थ यात्रा पर जाने का अवसर प्राप्त हो सकता है। आज के दिन मित्रों के लिए कुछ धन की भी व्यवस्था करनी पड़ सकती है। किसी एग्जाम परीक्षा के लिए तैयारी करने वालों को सफलता मिलेगी। घर के वरिष्ठ सदस्य से टकराव की संभावना दिख रही है।

धनु
आज घर-परिवार में किसी सदस्य की सेहत आपके लिए परेशानी का कारण बन सकती है। खराब स्वास्थ्य के कारण घर परिवार का वातावरण कुछ अवसादपूर्ण रहेगा। तनाव से उबरने का रास्ता यहीं है कि आज आप किसी मनोरंजक यात्रा पर निकल पड़ें।

कुंभ
आज आपके कार्यक्षेत्र का माहौल पहले की तुलना में काफी बेहतर रहेगा। ऑफिस में हंसी-मजाक और हल्का-फुल्का मनोरंजन भी देखने को मिलेगा। किसी सहकर्मी की ओर से पार्टी मिल सकती है। कुल मिलाकर आज का दिन ऑफिस में सकारात्मक हेगा।

वृश्चिक
आज आपको अपनी कार्ययोजना में कुछ बदलाव करने पड़ सकते हैं। यह बदलाव आगे चलकर आपके लिए फायदेमंद साबित होंगे। आर्थिक तौर पर आज दबाव कम रहेगा। छोटी-मोटी देनदारियां चुकाने के बाद भी आपकी सेविंग्स पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ेगा।

मकर
आज शारीरिक थकान धीरे-धीरे दूर होती दिखाई देगी। पिछले कई दिनों से आप जो एक्सरसाइज या योगाभ्यास कर रहे हैं उसका सकारात्मक असर दिखाई देगा। घर के छोटे सदस्यों या संतान की ओर से भी कोई अच्छा समाचार मन को प्रसन्न करेगा।

मीन
आज मूड थोड़ा खराब रह सकता है। विपरीत हालातों से मन परेशान रहेगा। युवा वर्ग को दाम्पत्य जीवन अथवा प्रेम संबंधों को लेकर शिकायत रहेगी। जीवन साथी का भरोसा जीतना जरूरी होगा। कुछ जरूरी खर्चे भी सामने आयेंगे। बुजुर्गों का सहयोग कुछ हद तक माहौल को ठीक करने में सहायक होगा।

बॉलीवुड की युवा अभिनेत्रियां जिन्होंने कम उम्र में किया डेब्यू

बॉलीवुड में हमेशा से नए चेहरे लॉन्च होते रहे हैं। इनमें से कई एक्ट्रेस रातोंरात प्रसिद्ध हो जाती हैं। कई बार तो ये अभिनेत्रियां बहुत कम उम्र में ही अपनी पहचान बना लेती हैं। ऐसी ही पांच युवा अभिनेत्रियों के बारे में बात करेंगे, जिन्होंने कम उम्र में बॉलीवुड में डेब्यू किया। इनमें से कुछ ने अभी-अभी शुरुआत की है, जबकि कुछ ने अपनी पहली फिल्मों से ही सबका ध्यान खींच लिया।

अभिनेता से निर्माता बनने की तरफ बढ़े पंकज त्रिपाठी

परफेक्ट फैमिली से करेंगे डेब्यू

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता एक्टर पंकज त्रिपाठी अब अभिनेता से निर्माता बनने की तरफ बढ़ चले हैं। वेब सीरीज के जरिए वे बतौर प्रोड्यूसर डेब्यू कर रहे हैं। उनकी पहली सीरीज का नाम है, परफेक्ट फैमिली। यह आठ एपिसोड की ड्रामा सीरीज है। पकंज त्रिपाठी की डेब्यू सीरीज सीधे यूट्यूब पर रिलीज होगी। इस प्लेटफॉर्म पर सीरीज को पेड मॉडल के तहत रिलीज किया जा रहा है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, एक प्रेस रिलीज में कहा गया कि जेएआर पिक्चर्स के अजय राय और मोहित छाबड़ा द्वारा निर्मित तथा पलक भांबरी द्वारा क्रिएट इस सीरीज का प्रीमियर 27 नवंबर को जेएआर सीरीज यूट्यूब चैनल पर होगा।

ये सितारे आएंगे नजर

मेकर्स के मुताबिक, सीरीज परफेक्ट फैमिली को भारत के विकसित होते डिजिटल इकोसिस्टम में एक महत्वपूर्ण प्रयोग के रूप में पेश किया गया है। सीरीज के पहले दो एपिसोड मुफ्त उपलब्ध रहेंगे, वहीं दर्शक 59 रुपये का भुगतान करके बाकी एपिसोड देख सकते हैं। इस सीरीज का निर्देशन सचिन पाठक ने किया है। इसमें गुलशन देवैया, नेहा धूपिया, मनोज पाहवा, सीमा पाहवा, गिरिजा ओक और अन्य कलाकार शामिल हैं।

पंकज त्रिपाठी ने शेयर की खुशी

परफेक्ट फैमिली एक कॉमेडी ड्रामा सीरीज है, जो परिवार के ईर्द-गिर्द घूमती है। सीरीज को लेकर पकंज त्रिपाठी ने कहा कि पारंपरिक रिलीज फॉर्मेट को चुनौती देने वाले प्रोजेक्ट के साथ पहली बार निर्माता बनना जरूरी लगा। उन्होंने आगे कहा, परफेक्ट फैमिली मेरे दिल के बेहद करीब है। दुनियाभर के परिवार इस शो में अपना एक हिस्सा देखेंगे। एक्टर ने आगे कहा, यूट्यूब का पेड मॉडल भारतीय क्रिएटर्स के लिए एक बिल्कुल नया रास्ता खोलता है। इस सीरीज की कहानी कर्करिया परिवार और उनके बेटे दानी की है।

नितांशी गोयल

नितांशी गोयल एक बाल कलाकार से शुरू करके लीड एक्ट्रेस बनीं। वे 12 जून 2007 को उत्तर प्रदेश के नोएडा में पैदा हुईं। उनके पिता नितिन गोयल एक बिजनेसमैन हैं और मां राशि गोयल उनके करियर को सपोर्ट करती हैं। नितांशी ने 2016 में फिल्म मन में विश्वास है से अपना फिल्म डेब्यू किया, जब वे मात्र 9 साल की थीं। इसके अलावा टीवी शोज जैसे थपकी प्यार की, नागार्जुन - एक योद्धा और इनसाइड एज में काम किया। लेकिन बॉलीवुड में बड़ा ब्रेक उन्हें 2024 में आई फिल्म लापता लेडीज से मिला, जो आमिर खान की प्रोडक्शन है। इस कॉमेडी-ड्रामा में उन्होंने फूल कुमारी का लीड रोल निभाया, जब उनकी उम्र 17 साल थी।

अनीत पड्डा

अनीत पड्डा एक उभरती हुई अभिनेत्री हैं, जो पंजाब के अमृतसर में 14 अक्टूबर 2002 को एक साधारण सिख परिवार में पैदा हुईं। वे बहुत कम उम्र से ही मॉडलिंग और विज्ञापनों में काम करने लगीं। अनीत ने कई टीवी ऐड्स में काम किया है। अनीत ने बॉलीवुड में अपना डेब्यू 2022 में फिल्म सलाम वेंकी से किया, जब उनकी उम्र मात्र 20 साल थी। इसके बाद 2024 में अनीत अमेजन प्राइम वीडियो की वेब सीरीज बिग गर्ल्स डोंट क्राई में लीड रोल में नजर आईं। 2025 में अनीत को असली ब्रेक मिला फिल्म सैयारा से, जो मोहित सूरी द्वारा निर्देशित है। इसमें उन्होंने आहान पांडे के साथ लीड रोल निभाया। इस फिल्म ने अनीत को रातोंरात स्टार बनाया दिया।

शनाया कपूर

शनाया कपूर बॉलीवुड एक्टर संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी हैं। शनाया का जन्म 3 नवंबर 2000 को मुंबई में हुआ। 2019 में जब वे 19 साल की थीं, उन्होंने गुंजन सक्सेना - द कारगिल गर्ल फिल्म में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम किया। लेकिन एक्टिंग डेब्यू की बात करें तो 2025 में फिल्म आंखों की गुस्ताखियां से हुआ, जब उनकी उम्र 24 साल थी। यह विक्रांत मैसी के साथ एक रोमांटिक ड्रामा है। इस फिल्म में शनाया की परफॉर्मेंस को सराहा गया।

सई मांजरेकर

सई मांजरेकर बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता-निर्देशक महेश मांजरेकर और अभिनेत्री मेधा मांजरेकर की बेटी हैं। वे 24 दिसंबर 2001 को मुंबई में पैदा हुईं। सई ने बहुत कम उम्र में ही एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। 2012 में, जब वे सिर्फ 11 साल की थीं, उन्होंने मराठी फिल्म काकस्पर्श में एक छोटा रोल किया, जो उनका पहला डेब्यू था। लेकिन बॉलीवुड में उनका असली डेब्यू 2019 में फिल्म दबंग 3 से हुआ, जब उनकी उम्र 18 साल थी। इस फिल्म में उन्होंने सलमान खान के साथ खुशी चौटाला का रोल निभाया। सई अब 23 साल की हैं और हिंदी-तेलुगु दोनों इंडस्ट्री में काम कर रही हैं।

राशा थडानी

राशा थडानी सुपरस्टार रवीना टंडन और फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर अनिल थडानी की बेटी हैं। वे 16 मार्च 2005 को मुंबई में पैदा हुईं। स्टार किड होने के बावजूद, उन्होंने कम उम्र में ही डेब्यू की प्लानिंग की। 2025 में फिल्म आजाद से बॉलीवुड डेब्यू किया, जब उनकी उम्र 20 साल थी। अभिषेक कपूर द्वारा निर्देशित इसमें अमन देवगन (अजय देवगन के भतीजे) के साथ लीड रोल है। फिल्म में दीया पेंटी और अजय देवगन भी हैं।

रणवीर सिंह ने की 'धुरंधर' की हीरोइन सारा अर्जुन की जमकर तारीफ

चालीस साल के हो चुके रणवीर सिंह अपनी आगामी फिल्म 'धुरंधर' में अपने से 20 साल छोटी अभिनेत्री सारा अर्जुन के साथ रोमांस करने को तैयार हैं। जब फिल्म की घोषणा हुई थी तो हर कोई इस बात पर काफी हैरान था। हालांकि, अब फिल्म का ट्रेलर सामने आने के बाद, लोगों को दोनों की केमिस्ट्री पसंद आ रही है। खुद रणवीर सिंह ने ट्रेलर लॉन्च इवेंट में सारा अर्जुन की जमकर तारीफ की है।

रणवीर ने सारा को बताया टैलेंटेड

धुरंधर के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में रणवीर सिंह ने सारा अर्जुन को संबोधित करते हुए कहा कि सारा, मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि हम यहां इस मंच पर हैं। आपके लिए कितना खास पल है। मैं इसका हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं, मैं आपके लिए ऐसे खास पल का हिस्सा बनकर भाग्यशाली हूं। सारा एक टेलेंटेड इंसान है। कुछ लोग होते हैं जिनके बारे में बचपन से ही पता होता है कि वो कितने प्रतिभाशाली हैं। जैसे एक बार डकोटा फैनिंग आई थी हॉलीवुड में। सारा, मुझे लगता है कि आपने यहां तक पहुंचने के लिए कई लोगों को पीछा छोड़ा है। यह आपकी प्रतिभा का प्रमाण है। ऐसा लगता है कि ये 50 फिल्म करके आई हैं। वह एक व्यक्ति के रूप में, एक कलाकार के रूप में बहुत ही असाधारण हैं। जाहिर है कि सारा अर्जुन 'धुरंधर' में पहली बार लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आएंगी।

यकीन नहीं हो रहा ये आपकी पहली फिल्म है

आगे अपनी को-एक्ट्रेस की तारीफ करते हुए रणवीर सिंह ने कहा कि आप उन बेहतरीन कलाकारों में से एक हैं, जिनके साथ मैंने स्क्रीन साझा की है। उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। मुझे यकीन ही नहीं हो रहा कि यह आपकी पहली फिल्म है। एक ऐसे व्यक्ति जिन्हें मैं बहुत प्यार और सम्मान देता हूं, मणिरत्नम सर, आपने उनकी फिल्मों में भी काम किया है। आपने अपनी क्षमता दिखाई है और अब दुनिया आपको बड़े मंच पर देखेगी। मैं वाकई बहुत खुश हूं और मुझे आप पर बहुत गर्व है। थैंक्यू सारा।

5 दिसंबर को रिलीज होगी फिल्म

'धुरंधर' की बात करें तो आदित्य धर द्वारा निर्देशित फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म में रणवीर सिंह के अलावा अक्षय खन्ना, आर माधवन, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त और सारा अर्जुन प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं।

लोगों को हंसा-हंसाकर रुलाएगी मस्ती 4

मस्ती और क्या कूल हैं हम जैसी फिल्म फ्रेंचाइजी के जरिए भारतीय सिनेमा में अडल्ट कॉमिडी जॉनर को मजबूती देने वाले राइटर-डायरेक्टर मिलाप जवेरी एक लंबे अरसे बाद अब इसी कड़ी में मस्ती 4 लेकर आ रहे हैं। इन दिनों अपनी पिछली फिल्म एक दीवाने की दीवानियत की सफलता एंजॉय कर रहे मिलाप जवेरी से उनके फिल्म चॉइसेज को लेकर खास बातचीत -

आज रियलिस्टिक और ग्लोबल फिल्मों का दौर है। आपको क्यों लुभाता है यह 90 वाला कमर्शल सिनेमा?

थिएटर में कर्मशल सिनेमा ही आखिर में चलता है। आप इस साल की चार बड़ी फिल्में ले लीजिए, छावा, सैयारा, रेड 2 और एक दीवाने की दीवानियत, ये सभी कमर्शल कहानियां हैं। कोई आर्ट हाउस सिनेमा नहीं है। सभी अपने-अपने ढंग से एंटरटेन करती हैं और ऑडियंस को एंटरटेन करने वाला कमर्शल सिनेमा ही चाहिए। जितना हम उससे दूर भागेंगे, हर साल हमारी फिल्मों की सफलता उतनी कम होती जाएगी। जितना हम ग्लोबल होने के चक्कर में पड़ेंगे, उतना अपनी जड़ों, अपने देसीपन भूलते जाएंगे और गलतियां करते जाएंगे। इसलिए, मेरी कोशिश तो हमेशा यही रहेगी कि मैं कमर्शल और मनोरंजक फिल्में ही बनाऊं, क्योंकि जब हम अपनी मिट्टी से जुड़ी कहानियां नहीं बताते तो ऑडियंस हमसे दूर हो जाती है। एक दीवाने की दीवानियत को जो लोग बोल रहे हैं कि 90 के दौर की कहानी है, वो यह भी देखें कि उसी 90 के दौर की कहानी को दर्शकों ने 100 करोड़ के पार पहुंचा दिया। मुझे उम्मीद है कि जैसे दीवानियत ने लोगों को रुलाया, वैसे मस्ती 4 हंसा-हंसा कर रुलाएगी।

मतलब आपका कहना है कि बॉलिवुड फिल्ममेकर्स ऑडियंस को पहचानने में भूल कर रहे हैं?

बिल्कुल, हम आलोचकों को बहुत गंभीरता से लेते हैं। हम सिर्फ शहरी दर्शकों को खुश करने में एक्स्ट्रा मेहनत करते हैं और भूल जाते हैं कि इंडिया भारत में बसा हुआ है और उस भारत को मनोरंजन चाहिए, ज्ञान नहीं चाहिए। अगर हम दर्शकों को मनोरंजन देते रहेंगे, चाहे लव स्टोरी हो, ऐक्शन हो या कॉमिडी, वे उसे हमेशा सुपरहिट बनाएंगे। मैं हमेशा मास के लिए फिल्म बनाने की कोशिश करता हूं क्योंकि हमारे थिएटर में मास ऑडियंस ही आती है।

मस्ती फ्रेंचाइजी को वापस लाने का ख्याल क्यों आया? जबकि, आपके लीड ऐक्टर की उम्र 40-50 के पास पहुंच चुकी है?

मस्ती एक सदाबहार इमोशन है। आप 20 साल के हो, 40 के या 50 के, मस्ती करने का सोचता हर कोई है। वो करे या न करे, सोचता तो है तो आज भले विवेक ओबरॉय, आफताब शिवदासानी, रितेश देशमुख की उम्र और कमर अलग है, मगर पर्दे पर मस्ती वे अब भी उतनी ही करते हैं। फिर, मस्ती रितेश, विवेक और आफताब के बगैर बन ही नहीं सकती। ये तीनों इसके अमर अकबर एंथनी हैं। इसके स्तंभ हैं और जब भी ये तीनों एक साथ आते हैं तो पब्लिक हंस हंसकर लोटपोट हो जाती है। तभी लोगों ने इस फ्रेंचाइजी को इतना प्यार दिया है, तो जब हमें इसे आगे बढ़ाने लायक कहानी मिली तो हम चौथा पार्ट लेकर आ गए हैं। बाकी, ये तो अच्छा है कि कुछ सालों से ये जॉनर पर्दे पर नहीं आया है तो लोगों को इसे देखने को लेकर ज्यादा उत्सुकता है क्योंकि जब आप लोगों को कुछ चीजों से वंचित रखते हैं तो उसकी एक्साइटमेंट कहीं ज्यादा होती है।

क्रिटिसिजम को कैसे लेते हैं?

वो तो पार्ट एंड पार्सल है इस जॉनर का। इस जॉनर को हमेशा ऐसी ही ट्रोलिंग मिली है, मगर ऑडियंस ने हमेशा प्यार दिया है तो मुझे ट्रोल्स की फिक्र नहीं होती है। उनकी राय उनको मुबारक हो। हम तो उन ऑडियंस के लिए ये बना रहे हैं, जिन्हें ये शरारतें, मस्ती, ये ह्यूमर और डबल मीनिंग जोक्स पसंद आता है। यह फिल्म उन ऑडियंस के लिए बनी है, अगर आपको ये चीजें नहीं पसंद आती हैं तो आप यह फिल्म मत देखिए।

रितेश देशमुख और जॉन अब्राहम के साथ आपके रिश्ते की मजबूती का क्या राज है?

इन दोनों का ही जन्मदिन 17 दिसंबर को होता है तो इस दिन की कुछ तो खास बात जरूर होगी, क्योंकि दोनों मेरे दिल के बहुत करीब हैं। रितेश ने हमेशा मेरा साथ दिया है। वह मेरे मित्र भी हैं। मेरे सेठ जी भी हैं। जॉन (अब्राहम) को मैं मेरा हल्क बुलाता हूं। जॉन ने मुझे सत्यमेव जयते के साथ एक नया करियर दिया था और वे आज भी मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। इन दोनों ने हर अच्छे-बुरे वक्त में मेरा साथ दिया है।

कृषि मंत्री बोले- बीमा योजना में जंगली जानवरों और जलभराव से होने वाला नुकसान भी शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों के लिए बड़ी राहत का ऐलान किया है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अब दो तरह के नुकसान भी कवर किए जाएंगे, जिनकी किसान लंबे समय से मांग कर रहे थे। जंगली जानवरों और जलभराव से बर्बाद हुई फसलों पर मिलेगा मुआवजा चौहान ने कहा कि अब जंगली जानवरों द्वारा फसलों को पहुंचाए गए नुकसान पर भी मुआवजा मिलेगा। इसके साथ ही अत्यधिक बारिश से आई बाढ़ या जलभराव के कारण फसल को हुए नुकसान को भी योजना में शामिल कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि अगर जंगली जानवर फसल खराब करते हैं, तो उसका मुआवजा दिया जाएगा। अगर भारी बारिश से जलभराव होता है और फसल बर्बाद होती है, तो भी नुकसान की भरपाई की जाएगी।

एफएसएसएआई ने राज्यों को तुरंत बिक्री रोकने का दिया निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय खाद्य सुरक्षा व मानक प्राधिकरण ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के खाद्य सुरक्षा आयुक्तों को सख्त निर्देश जारी करते हुए कहा है कि बाजार और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध भ्रामक 'इलेक्ट्रोलाइट पेय' और 'ओआरएस' नाम वाले उत्पादों की बिक्री तुरंत रोकी जाए। एफएसएसएआई ने आदेश दिया है कि ऐसे सभी उत्पाद- चाहे 'ओआरएस' एक एकल शब्द के रूप में प्रयोग हो या उपसर्ग/प्रत्यय के साथ संयुक्त रूप में- यदि वे भ्रामक या मेडिकल-ग्रेड ओआरएस के समान प्रस्तुत किए जा रहे हैं, तो उन्हें तुरंत बाजार से हटाया जाए। प्राधिकरण का कहना है कि कई कंपनियां अपने पेय पदार्थों को ओआरएस जैसा दिखाकर उपभोक्ताओं को भ्रमित कर रही हैं, जबकि वास्तविक ओआरएस केवल चिकित्सकीय और वैज्ञानिक मानकों के अनुरूप तैयार किया जाता है। इस कार्रवाई का उद्देश्य उपभोक्ताओं, खासकर बच्चों और बुजुर्गों को, गलत दावों वाले पेय पदार्थों से होने वाले संभावित स्वास्थ्य जोखिमों से बचाना है। राज्य सरकारों से कहा गया है कि वे खुदरा दुकानों, सुपरमार्केट, ई-कॉमर्स साइटों और ऑनलाइन ग्रोसरी प्लेटफॉर्म पर ऐसी उत्पाद-लिस्टिंग और बिक्री पर तत्काल निगरानी और प्रवर्तन कार्रवाई सुनिश्चित करें।

5 टुकड़ों में बंट जाएगा स्टॉक, 20 बार डिविडेंड दे चुकी है कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। कंप्यूटर एज मैनेजमेंट सर्विसेज लिमिटेड के शेयरों का बंटवारा होने जा रहा है। कंपनी के शेयरों को 5 हिस्सों में बांटा जाएगा। इसके लिए रिकॉर्ड डेट का ऐलान हो गया है। कंपनी ने दी जानकारी में कहा है कि 10 दिसंबर से पहले ही रिकॉर्ड डेट की तारीख है। बता दें, कंपनी ने 2020 से अबतक निवेशकों को 20 बार डिविडेंड दिया है। एक्सचेंज को दी जानकारी में कंपनी ने बताया है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 5 हिस्सों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 2 रुपये प्रति शेयर हो जाएगी। कंप्यूटर एज मैनेजमेंट सर्विसेज लिमिटेड का रिकॉर्ड डेट 5 दिसंबर 2025, दिन शुक्रवार है। यानी इस दिन कंपनी के शेयरों का बंटवारा हो जाएगा। कंप्यूटर एज मैनेजमेंट के शेयर इसी महीने की 7 तारीख को एक्स-डिविडेंड ट्रेड किए थे। कंपनी ने तब योग्य निवेशकों को एक शेयर पर 14 रुपये का डिविडेंड दिया था। इससे पहले कंपनी के शेयर अगस्त के महीने में एक्स-डिविडेंड ट्रेड किए थे। तब कंपनी ने हर एक शेयर पर 11 रुपये का डिविडेंड दिया था।

14 महीने के निचले स्तर पर कोर सेक्टर के आंकड़े, अक्टूबर में स्थिर रहा ग्रोथ

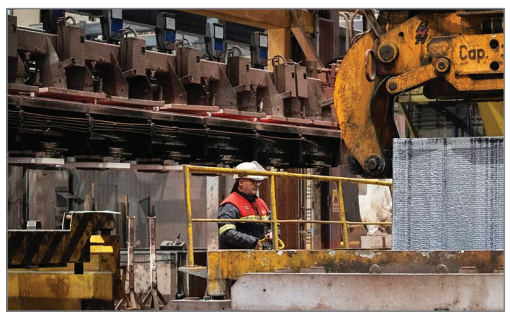

नई दिल्ली, एजेंसी। कोर सेक्टर में एक बार फिर सुस्ती देखने को मिली है। सरकार की ओर से जारी आंकड़े बताते हैं कि देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर अक्टूबर में स्थिर रही। यह 14 महीनों में इसका सबसे कमजोर प्रदर्शन था। आइए जान लेते हैं कि किस उद्योग में कितना ग्रोथ हुआ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आठ प्रमुख उद्योगों के सूचकांक के अनुसार, कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पाद, बिजली, उर्वरक और इस्पात में सितंबर में 3.3 प्रतिशत और अक्टूबर 2024 में 3.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। इसके तहत कोयला उत्पादन में 8.5 प्रतिशत, बिजली उत्पादन में 7.6 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस उत्पादन में पांच प्रतिशत की गिरावट आई। अक्टूबर में कच्चे तेल का उत्पादन सालाना आधार पर 1.2 प्रतिशत घटा। वहीं, अक्टूबर में पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पादों का उत्पादन सालाना आधार पर 4.6 प्रतिशत, उर्वरक उत्पादन 7.4 प्रतिशत, इस्पात 6.7 प्रतिशत, सीमेंट 5.3 प्रतिशत की दर से बढ़ा। अक्टूबर में स्थिर वृद्धि के कारण चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अक्टूबर के दौरान आठ बुनियादी उद्योगों की संचयी वृद्धि दर 2.5 प्रतिशत पर आ गई जो एक साल पहले इसी अवधि में 4.3 प्रतिशत थी। आठ बुनियादी ढांचा उद्योगों का उत्पादन पिछले एक साल में पहली बार स्थिर रहा है। इस वृद्धि दर का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी)

बैंकों का एनपीए दूसरी तिमाही में घटकर 2.1 प्रतिशत

लोन देने की रफ्तार 11.7 फीसदी तक बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के बैंकिंग सेक्टर की वित्तीय सेहत और मजबूत होती दिख रही है। केयरएज रेटिंग्स की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में बैंकों के गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) में लगातार गिरावट दर्ज की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) का सकल एनपीए अनुपात घटकर 2.1 प्रतिशत पर आ गया है। यह पिछले वर्ष इसी अवधि में 2.6 प्रतिशत था। इसमें बताया गया है कि बैंकों का सकल एनपीए 11.1 प्रतिशत सालाना गिरावट के साथ 4.05 लाख करोड़ पर पहुंच गया है।

रेटिंग एजेंसी ने बताया कि बैंकों की परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार मजबूत रिकवरी, उपयुक्त अपग्रेड, कम नई स्लिपेज, और पोर्टफोलियो की सफाई, जिसमें बड़े पैमाने पर राइट-ऑफ और एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनियों (एआरसी) को बिक्री शामिल है।

इसके विपरीत, शुद्ध गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) अनुपात लगातार तीसरी तिमाही में 0.5 प्रतिशत पर स्थिर रहा, जबकि वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में यह 0.6 प्रतिशत था। रिपोर्ट के अनुसार, नेट एनपीए में सालाना आधार पर 9.9 प्रतिशत गिरावट आई है, जिससे यह घटकर 0.88 लाख करोड़ रह गया।

तिमाही आधार पर भी सुधार जारी रहा। एससीबी के सकल एनपीए में 4.2 प्रतिशत और नेट एनपीए में 5.1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। यह मुख्य रूप से कम स्लिपेज, प्रभावी रिकवरी, अपग्रेड, और एआरसी बिक्री के जरिए एनपीए समाधान में तेजी के कारण हुआ है।

रिपोर्ट के अनुसार, क्रेडिट ग्रोथ मजबूत बनी हुई है। दूसरी तिमाही

में बैंक ऋण वितरण में 11.7 प्रतिशत सालाना वृद्धि दर्ज की गई, जो जमा वृद्धि के 9.7 प्रतिशत से तेज रही। उम्मीद है कि दूसरी छमाही में जमा संग्रह में सुधार होगा, हालांकि समग्र क्रेडिट ग्रोथ मध्यम स्तर पर बनी रह सकती है। परिसंपत्ति गुणवत्ता को लेकर एजेंसी ने अनुमान लगाया है कि नियंत्रित स्लिपेज और जारी रिकवरी के चलते बैंकिंग सिस्टम मजबूत स्थिति में रहेगा। हालांकि रिपोर्ट ने चेतावनी भी दी है कि कम राशि वाले अनसिक्योर्ड पर्सनल लोन और माइक्रोफाइनेंस सेगमेंट में तनाव बरकरार है। इसके अलावा, अमेरिका की टैरिफ नीतियों, वैश्विक आर्थिक सुस्ती, और घरेलू नियामकीय बदलावों के संभावित असर से आने वाले महीनों में क्रेडिट विस्तार और परिसंपत्ति गुणवत्ता पर दबाव बढ़ सकता है।

ऑनलाइन खरीदारी...जितना मूल्य दिखेगा, वही चुकाना होगा

उपभोक्ता नहीं होंगे गुमराह

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑनलाइन खरीदारी करने वालों के लिए बड़ी राहत देने वाली खबर है। अब उन्हें ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफार्म पर जो मूल्य दिखेगा, उसी का भुगतान करना होगा, उनसे किसी तरह का हिडेन चार्ज नहीं लिया जाएगा और न ही भ्रामक विज्ञापनों के जरिये उन्हें गुमराह किया जाएगा।

जेप्टो, जोमैटो, स्विगी और जियोमार्ट समेत देश की 26 प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनियों ने अपने ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफार्म के डार्क पैटर्न से मुक्त होने की घोषणा की है। सरकार ने इसे डिजिटल बाजार में उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने कहा कि ये घोषणाएं अन्य कंपनियों को भी इसी तरह के स्व-नियमन अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेंगी।

इन 26 ई-कॉमर्स मंच में फार्म इजी, जेप्टो मार्केटप्लेस, फ्लिपकार्ट इंटरनेट, मिंत्रा डिजाइन्स, वॉलमार्ट इंडिया, मेकमायट्रिप (इंडिया), बिगबास्केट (इनोवेटिव रिटेल कॉन्सेप्ट्स), जियोमार्ट (रिलायंस रिटेल),

जोमैटो, स्विगी, ब्लिंकिट, पेज इंडस्ट्रीज, विलियम पेन, क्लियरट्रिप, रिलायंस ज्वेल्स, रिलायंस डिजिटल, नेटमेड्स, टाटा 1एमजी, मीशो, इक्सिगो, मिलबास्केट, हैमलेज, अजियो, टीरा ब्यूटी (रिलायंस रिटेल लिमिटेड), ड्यूरोफ्लेक्स प्राइवेट लिमिटेड और क्यूराडेन इंडिया शामिल हैं।

डार्क पैटर्न की पहचान के लिए ऑडिट कराया: इन 26 ई-कॉमर्स कंपनियों ने डार्क पैटर्न की किसी भी मौजूदगी की पहचान, आकलन और उन्मूलन के लिए आंतरिक रूप से स्वयं और अन्य पक्षों से ऑडिट कराए हैं। कंपनियों ने कहा है कि उनके मंच किसी भी तरह के छेड़छाड़ वाले यूजर इंटरफेस डिजाइन का इस्तेमाल नहीं करते हैं।

ये हैं चिन्हित 13 डार्क पैटर्न

डार्क पैटर्न की रोकथाम और नियमन के लिए दिशानिर्देश, 2023, 30 नवंबर 2023 को अधिसूचित, 13 डार्क पैटर्न की पहचान करते हैं और उन पर प्रतिबंध लगाते हैं। ये 13 डार्क पैटर्न हैं- फॉल्स अर्जेंसी, बास्केट स्नीकिंग, कनफर्म शैमिंग, फोर्स्ड एक्शन, सब्सक्रिप्शन ट्रैप, इंटरफेस इंटरफेयरेंस, बेट एंड स्विच, ड्रिप प्राइसिंग (हिडेन चार्ज), भ्रामक विज्ञापन, नैगिंग, ट्रिक वर्डिंग, सास बिलिंग और रफ मालवेयर।

क्या है डार्क पैटर्न: डार्क पैटर्न उपभोक्ताओं को गुमराह करने की ऑनलाइन तकनीक है। यूजर इंटरफेस को इस तरह डिजाइन किया जाता है कि लोग अनजाने में उसी लिंक पर क्लिक कर दें, जिससे वे बचना चाहते हैं। सरकार ने 2023 में इसकी रोकथाम के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश जारी किए थे। डार्क पैटर्न की रोकथाम व विनियमन के लिए दिशानिर्देश को 30 नवंबर 2023 को अधिसूचित किए गए था।

अडानी ग्रुप ने बेच दिया एडब्लूएल एग्री बिजिनेस में बचा हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप के पोर्टफोलियो से एक कंपनी बाहर हो गई है। अडानी समूह ने ब्लॉक डील के जरिए एडब्लूएल एडब्लूएल बिजनेस (पहले का नाम अडानी विल्मर) में बचा हिस्सा भी बेच दिया है। आज इस खबर का असर भी कंपनी के शेयरों में देखने को मिल रहा है। कंपनी के शेयरों में 4 प्रतिशत की गिरावट आई है।

अडानी ग्रुप ने अपने बचे 7 प्रतिशत हिस्से को ब्लॉक डील के जरिए बेच गिया है। अडानी एंटरप्राइजेज की सब्सिडियरी कंपनी अडानी कमोडिटी एलएलपी ने यह ट्रांजैक्शन किया है। अडानी ग्रुप ने 275.50 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से यह डील की है। इस डील के जेफरिज को इंवेस्टमेंट बैंकर्स की जिम्मेदारी मिली थी। बता दें, एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस खाद्य तेल बेचने वाली कंपनी है।

एडब्लूएल एग्री बिजिनेस लि के शेयर बीएसई में 280.05 रुपये के लेवल पर खुला था। लेकिन कुछ ही देर के बाद कंपन के शेयर 4 प्रतिशत की गिरावट सेथा 266.45 रुपये के इंट्रा-डे लो लेवल पर पहुंच गया। कंपनी का इंट्रा-डे हाई बीएसई में 282.90 रुपये (11 बजे) था। बता दें, कंपनी का 52 वीक हाई 337 रुपये और 52 वीक लो लेवल 231.55 रुपये है। इस कंपनी का मार्केट कैप 35175.80 करोड़ रुपये का है।

शेयर बाजार में एडब्लूएल एग्री बिजिनेस लि के शेयर संघर्ष ही कर रहे हैं। बीते 6 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 4 प्रतिशत की तेजी आई है। जबकि इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 4.53 प्रतिशत की उछाल देखने को मिली है। एक साल में एडब्लूएल एग्री बिजिनेस लिके शेयरों की कीमतों में 8.10 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। 3 साल में इस खाद्य तेल बेचने वाली कंपनी का शेयर 56 प्रतिशत टूटा है। एडब्लूएल एग्री बिजिनेस लि का नेट प्रॉफिट सितंबर तिमाही के दौरान 244.85 करोड़ रुपये रहा है। जोकि सालाना आधार पर 21 प्रतिशत लुढ़क चुका है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 311.02 करोड़ रुपये रहा था।

इलेक्ट्रिक तिपहिया बाजार में भारत दुनिया में अव्वल

57 फीसदी सिर्फ देश में ही बिके

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्राजील के बेलेम शहर में जारी कॉप 30 प्रोग्रेस अपडेट में ड्राइविंग प्रोग्रेस ऑन द जीरो-एमिशन व्हीकल ट्रांजिशन रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि भारत अब न सिर्फ इलेक्ट्रिक तिपहिया बाजार में दुनिया का निर्विवाद लीडर बन गया है, बल्कि तेजी से बढ़ती नीतिगत पहल ने देश को वैश्विक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) क्षेत्र का सबसे प्रभावशाली खिलाड़ी बना दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में जितने भी इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहन दुनियाभर में बिके, उनमें से 57 फीसदी अकेले भारत में खरीदे गए।इलेक्ट्रिक दोपहिया बाजार में भारत की वैश्विक हिस्सेदारी 6 फीसदी दर्ज की गई। एक्सेलेरेटिंग टू जीरो कोएलिशन की ओर से तैयार और इंटरनेशनल काउंसिल ऑन क्लीन ट्रांसपोर्टेशन (आईसीसीटी) के सहयोग से जारी रिपोर्ट में कहा गया है, स्वच्छ व

प्रदूषण-रहित परिवहन को प्रोत्साहित करने वाली नीतियों ने भारत को दूसरा सबसे बड़ा इलेक्ट्रिक वाहन बाजार बना दिया है। फेम और पीएम ई-ड्राइव जैसी योजनाओं ने इलेक्ट्रिक और पारंपरिक वाहनों की कीमतों के अंतर को कम किया, जिससे लास्टमाइल मोबिलिटी में निजी निवेश तेजी से बढ़ा। आईसीसीटी भारत के मैनेजिंग डायरेक्टर अमित भट्ट के अनुसार, देश में बिकने वाले मोटर वाहनों में सबसे बड़ा हिस्सा दोपहिया और तिपहिया वाहनों का है।

तेजी से बढ़ेगा बाजार

रिपोर्ट के अनुसार, भारत की आगे की योजना इलेक्ट्रिक वाहन बाजार को तेज गति से विस्तार देने पर केंद्रित है। रणनीति का मुख्य फोकस दोपहिया एवं तिपहिया ईवी को बड़े पैमाने पर अपनाना, कंपनियों को अनुकूल माहौल मुहैया कराना और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना है। पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत 25 लाख इलेक्ट्रिक दोपहिया और 3.20 लाख रुपये ई-तिपहिया वाहनों की बिक्री को बढ़ावा के लिए दिया जाएगा,आंकड़ा नहीं, बल्कि परिवहन क्रांति का संकेत है। इलेक्ट्रिक तिपहिया में दुनिया का नंबर-1 बाजार, इलेक्ट्रिक दोपहिया में तेजी से उभरती ताकत, मजबूत नीतियां, निजी निवेश और तकनीक आधारित इको सिस्टम ये सभी संकेत बताते हैं कि आने वाले वर्षों में शून्य-उत्सर्जन परिवहन आंदोलन में भारत मार्गदर्शक की भूमिका निभाएगा।

एनवीडिया, माइक्रोसॉफ्ट और ओपनएआई जैसी बड़ी कंपनियों के नाम शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते कुछ हफ्ते से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की दुनिया में एनवीडिया की बढ़ती धाक चर्चा में है। शेयर बाजार में भी इस कंपनी को लेकर उत्साह दिखा जिसके फलस्वरूप निवेशकों ने मुनाफे की आस में लाखों-करोड़ों रुपये लगाए। हालांकि, अब एक चौंकाने वाला दावा सामने आया है। इसके मुताबिक ये एक पॉन्जी स्कीम है, जिसका भंडाफोड़ मशीन इंटेलिजेंस की मदद से हुआ है। अमेरिकी शोध में इसका खुलासा किए जाने का दावा सामने आया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक 610 बिलियन डॉलर की इस धोखाधड़ी से एनवीडिया के अलावा ओपनएआई, माइक्रोसॉफ्ट और ऑरेकल जैसी बड़ी कंपनियों के नाम जुड़े हैं। शनाका एंस्लेम परेरा नाम के शख्स ने अपने वेरिफायड एक्स हैंडल पर विस्तार से इस वित्तीय धोखाधड़ी का ब्योरा पेश किया है। परेरा ने लिखा, 610 बिलियन डॉलर (करीब 54 लाख करोड़ रुपये) की एआई पॉन्जी स्कीम अचानक ढह गई।

बुरे हाल में अनिल अंबानी की कंपनियों के शेयर, 60 प्रतिशत से ज्यादा लुढ़क गए शेयरों के दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। अनिल अंबानी ग्रुप की कंपनियों रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर और रिलायंस पावर के शेयरों के बुरे हाल हैं। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर और रिलायंस पावर के शेयर अपने 52 हफ्ते के हाई लेवल से 60 पर्सेंट से ज्यादा तक टूट गए हैं। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर शुक्रवार को बीएसइ में गिरावट के साथ 165.30 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं। वहीं, रिलायंस पावर के शेयर 40 रुपये से नीचे हैं। रिलायंस पावर के शेयर बीएसइ में गिरावट के साथ 39.14 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं। अनिल अंबानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर अपने 52 हफ्ते के हाई लेवल से 60 पर्सेंट से ज्यादा टूट गए हैं। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर 27 जून 2025 को अपने 52 हफ्ते के हाई 425 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 21 नवंबर को बीएसइ में 165.30 रुपये पर जा पहुंचे हैं। वहीं, रिलायंस पावर के शेयर अपने 52 हफ्ते के हाई लेवल से 45 पर्सेंट से अधिक लुढ़क गए हैं। रिलायंस पावर के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 76.49 रुपये है। अनिल अंबानी ग्रुप की इस पावर कंपनी के शेयर 21 नवंबर को बीएसइ में 39.14 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार को अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के तहत 1,452 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां कुर्क कीं। ईडी ने एक बयान में यह जानकारी दी।

कॉर्पोरेट नौकरी छोड़ी तो अंदाजा नहीं था कि होगी पैसों की ऐसी बारिश...सालाना 50 लाख कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। त्रिची (तमिलनाडु) के आर. नरसिम्मन की कहानी पारंपरिक कृषि धारणाओं को तोड़ती है। 1998 में अपनी कॉर्पोरेट नौकरी छोड़कर उन्होंने कृषि-उद्यमिता की यात्रा शुरू की। इसकी शुरुआत बहुत छोटी थी। लेकिन, अब यह 158 एकड़ के ऑर्गेनिक एग्रोफॉरेस्ट्री इकोसिस्टम में बदल गई है। इससे नरसिम्मन की सालाना 40-50 लाख रुपये की कमाई होती है। मोनोकल्चर (केवल आम की खेती) की अस्थिरता से सबक लेते हुए उन्होंने थ्री-टियर मॉडल विकसित किया। यह बदलाव कमाल कर गया। आइए, यहां आर. नरसिम्मन की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

आर. नरसिम्मन ने 1998 में नौकरी छोड़कर खेती शुरू की थी। इसका शुरुआती लक्ष्य रिटायरमेंट के बाद शांतिपूर्ण जीवन जीना था। उन्होंने जल्दी ही अल्फांसो आम की खेती करके तेजी से विकास किया। हालांकि, असुरक्षित मौसम और बाजार के उतार-चढ़ाव जैसी मोनोकल्चर की कमजोरियों का अनुभव करने के बाद उन्होंने इंटीग्रेटेड एग्रोफॉरेस्ट्री मॉडल को अपनाया। यह मॉडल भूमि के हर हिस्से

का इस्तेमाल करता है। पहला स्तर सागौन, लाल चंदन और सिल्वर ओक जैसे लंबी अवधि के निवेश (15-20 वर्ष में करोड़ों का राजस्व) के लिए आरक्षित है। दूसरा स्तर आम, केला और तरबूज जैसी वार्षिक रिटर्न देने वाली फसलों के लिए है।

ऑर्गेनिक खेती अपनाने का मिला फायदा

नरसिम्मन ने 2008 में पूरी तरह से जैविक खेती को अपनाया। इसमें वह अपनी 16 देसी गायों के गोबर से बनी खाद का इस्तेमाल करते हैं। सौर ऊर्जा संचालित ड्रिप सिंचाई और एक 700 वर्ग फीट का सौर ड्रायर उनके खेत को टिकाऊ बनाता है। 2010 में उनके खेत में 35.75 किलो का रिकॉर्ड-तोड़ तरबूज उगा। इसे देखकर बीज फर्म नामधारी भी अचंभित रह गई। इस एक तरबूज को 5,000 रुपये में बेचा गया। इसने साबित किया कि जैविक गुणवत्ता स्थानीय बाजार में भी प्रीमियम मूल्य दिला सकती है। इस सफलता ने उन्हें राष्ट्रीय सुर्खियों में ला दिया। 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें किसानों की आय दोगुनी करने की नीति योजना में सुझाव देने के लिए आमंत्रित किया, जहां उन्होंने सब्सिडी डिस्ट्रीब्यूशन से बिचौलियों को हटाने सहित 22 सुझाव दिए।

स्मृति मंधाना ने फनी अंदाज में इंगेजमेंट की कन्फर्म

● भारतीय स्टार स्मृति मंधाना ने पलाश मुच्छल से की सगाई ● पीएम मोदी ने शादी की तारीख का किया खुलासा

इंदौर (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की चमकती सितारा और वर्ल्ड कप विजेता ओपनर स्मृति मंधाना ने अंततः अपने प्रशंसकों के बीच लंबे समय से चल रही अफवाहों पर विराम लगाते हुए संगीतकार पलाश मुच्छल से अपनी सगाई की आधिकारिक घोषणा कर दी है। एक खूबसूरती से कोरियोग्राफ किए गए इंस्टाग्राम वीडियो के ज़रिए की गई इस घोषणा ने सोशल मीडिया पर धूम मचा दी। इस रील में उनकी टीममेट्स भी उनके साथ नज़र आईं। वीडियो में भले ही शादी की तारीख नहीं बताई गई थी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कपल को शुभकामनाएं देते हुए बड़ी जानकारी साझा कर दी जिसमें

शादी की आधिकारिक तारीख शामिल है।

खास अंदाज में किया ऐलान - स्मृति मंधाना ने गुरुवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक आकर्षक और मनोरंजक रील पोस्ट की, जिसने कुछ ही घंटों में लाखों व्यूज़ बटोर लिए। इस वीडियो में उनके साथ जेमिमा रोड्रिग्स, श्रेयंका पाटिल, राधा यादव और अरुंधति रेड्डी नज़र आईं, जिनके साथ उन्होंने फ़िल्म लगे रहो मुन्ना भाई के गाने 'समझो हो ही गया' पर एक सिंक्रनाइज़ कोरियोग्राफ रूटीन प्रस्तुत किया। वीडियो की अंतिम झलक में मंधाना कैमरे की ओर हाथ बढ़ाती हैं, जहाँ उनकी सगाई की अंगूठी साफ दिखाई देती है।

पीएम मोदी ने दी बधाई, साथ ही बताई शादी की तारीख

वीडियो पोस्ट के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्मृति और पलाश को दिल से शुभकामनाएं भेजीं। उन्होंने अपने संदेश में दोनों की प्रतिभा की सराहना की और मजेदार अंदाज में कहा कि मैदान पर मंधाना का कवर ड्राइव और संगीत में मुच्छल की सिम्फनी मिलकर एक शानदार जीवन-भागीदारी रचेंगे। अपने संदेश में पीएम मोदी ने कपल की शादी की तारीख भी सार्वजनिक कर दी जो 23 नवंबर 2025 को होगी।

ऑन-फील्ड ग्लोरी के बाद ऑफ-फील्ड जश्न

सगाई का यह उत्साहपूर्ण पल भारतीय टीम की ऐतिहासिक उपलब्धि के तुरंत बाद आया है। हाल ही में नवी मुंबई में हुए महिला एक दिवसीय वर्ल्ड कप 2025 में भारत ने साउथ अफ्रीका को हराकर अपना पहला वनडे विश्व खिताब जीता।

न्यूजीलैंड दौरे के लिए वेस्टइंडीज टेस्ट टीम घोषित

- केमार रोच की वापसी, ओजाय शील्ड्स को पहली बार मौका

एंटीगा (एजेंसी)। वेस्टइंडीज ने दिसंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम में अनुभवी तेज गेंदबाज केमार रोच की वापसी हुई है। रोच आखिरी बार इस साल जनवरी

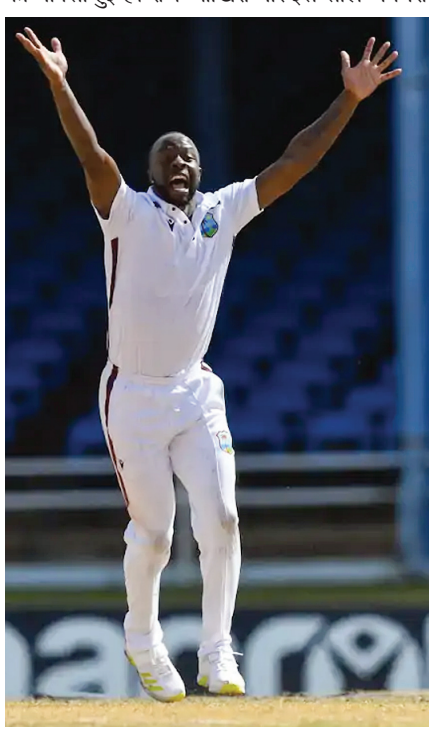

में पाकिस्तान के मुल्तान टेस्ट में खेले थे। उनकी मौजूदगी टीम के अपेक्षाकृत अनुभवहीन पेस अटैक को मजबूती देगी। रोच ने आखिरी बार इस साल जनवरी में पाकिस्तान के खिलाफ मुल्तान टेस्ट में खेला था।

शमार जोसेफ और अल्जारी जोसेफ अभी भी बाहर- टीम के दो प्रमुख तेज गेंदबाज शमार जोसेफ और अल्जारी जोसेफ चोटों के कारण इस दौरे से बाहर हैं। उनकी गैरमौजूदगी में 85 टेस्ट खेल चुके रोच टीम के सबसे अनुभवी पेसर होंगे।

ओजाय शील्ड्स को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है- 29 साल के तेज गेंदबाज ओजाय शील्ड्स को पहली बार टेस्ट टीम में जगह मिली है। शील्ड्स ने हाल ही में एंटीगा में आयोजित दो सप्ताह के हाई-परफॉर्मेंस कैंप में हिस्सा लिया था, जिसमें रोच समेत कई खिलाड़ी शामिल थे।

कावेम हॉग की भी वापसी- ऑलराउंडर कावेम हॉग की भी टेस्ट टीम में वापसी हुई है। उन्होंने भी आखिरी टेस्ट मल्तान में ही खेला था। वहीं लेफ्ट-आर्म स्पिनर खारी पियरे को टीम से बाहर कर दिया गया है।

टी20 ट्राई-सीरीज

जिम्बाब्वे ने किया उलटफेर, टी20 विश्व कप जीत चुकी टीम को बड़े अंतर से हराया

रावलपिंडी (एजेंसी)। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ब्रैड इवांस ने 4-0-9-3 के शानदार स्पेल और कप्तान सिकंदर रजा ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत जिम्बाब्वे ने बड़ा उलटफेर करते हुए टी20 विश्व कप जीत चुकी श्रीलंका पर 67 रन से बड़ी जीत दर्ज की। जिम्बाब्वे ने रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में टी20 ट्राई-सीरीज में श्रीलंका को 95 रन पर ऑल आउट कर दिया और अपने 162/8 के टोटल का बचाव करते हुए जीत अपने नाम की।

यह टी20 फॉर्मेट में इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के किसी फुल मेंबर पर जिम्बाब्वे की अब तक की सबसे बड़ी जीत है। इस जीत के साथ जिम्बाब्वे ने ट्राई-सीरीज टेबल में नेट रन-रेट पर दो पॉइंट्स (दो मैचों में) के साथ टॉप जगह बना ली है, जो पाकिस्तान के एक मैच में पॉइंट्स के बराबर है। यह इस इवेंट में श्रीलंका का पहला मैच था। इवांस और रिचर्ड न्गारावा (2-15) की लीडरशिप में जिम्बाब्वे के बॉलर्स ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। उनके सभी छह गेंदबाजों ने विकेट लिए जिससे श्रीलंका के लिए जो टारगेट शुरू में आसान लग रहा था, वह बुरे सपने में बदल गया।

भारत-पाकिस्तान टी-20 वर्ल्ड कप में 15 फरवरी को भिड़ेंगे

टूर्नामेंट की शुरुआत 7 फरवरी से, फाइनल 8 मार्च को अहमदाबाद में हो सकता है

दुबई (एजेंसी)। अगले साल होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान मैच 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जा सकता है। यहां पर 5 अक्टूबर को विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान मैच भी खेला गया था। रिपोर्ट्स के अनुसार बीसीसीआई ने अपना प्रस्तावित शेड्यूल आईसीसी को भेज दिया है। आईसीसी जल्दी ही इसका ऐलान कर सकता है।

टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत 7 फरवरी से हो सकती है। जबकि, फाइनल मैच 8 मार्च को खेला जा सकता है। सेमीफाइनल और फाइनल के वेन्यू का निर्धारण भारत-पाकिस्तान की स्थिति पर निर्भर करेगा। अगर पाकिस्तान की टीम फाइनल में नहीं पहुंचती है तो यह मुकाबला अहमदाबाद में होगा। पाकिस्तान के फाइनल के लिए क्वालिफाई करने पर मुकाबला श्रीलंका में खेला जाएगा। आईसीसी या बीसीसीआई की ओर से शेड्यूल पर अबतक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।टीम इंडिया टी-20 वर्ल्ड कप की डिफेंडिंग चैंपियन है। भारत ने साउथ अफ्रीका को फाइनल हराकर खिताब जीता था।

भारत के 5, श्रीलंका के 3 वेन्यू शॉर्टलिस्ट

बीसीसीआई ने टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए अहमदाबाद, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई और मुंबई को शॉर्टलिस्ट किया है। श्रीलंका के तीन वेन्यू को भी चुना गया है। कोलंबो को इनमें से एक बताया जा रहा है।भारत और पाकिस्तान के बीच आखिरी टी-20 मैच 9 जून 2024 को वर्ल्ड कप में ही हुआ था। तब भारत ने 5 रन से करीबी मुकाबला जीता था।

कोलंबो में भारत और पाकिस्तान क्यों हो रहा है?

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले बीसीसीआई और पीसीबी के बीच यह सहमति बनी थी कि भविष्य में दोनों टीमें एक-दूसरे के देशों की यात्रा नहीं करेंगी, बल्कि अपने मुकाबले न्यूट्रल वेन्यू पर खेलेंगी।

एशिया कप में तीन बार भिड़े भारत-पाकिस्तान

9 से 28 सितंबर के बीच आयोजित एशिया कप में भारत और पाकिस्तान की टीमें 3 बार आपस में मैच खेल चुकी हैं। तीनों पर दफा भारतीय टीम को जीत मिली थी। इस दौरान दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने आपस में हाथ नहीं मिलाया था। रऊफ ने प्लेन गिराने का इशारा किया। जबकि, साहिबजादा फरहान ने गन सेलिब्रेशन किया। फाइनल जीतने के बाद भारतीय टीम ने पीसीबी चीफ मोहसिन नकवी के हाथ से ट्रॉफी लेने से इंकार कर दिया था। ऐसे में नकवी ने ट्रॉफी नहीं दी और टीम इंडिया को खाली हाथ लौटना पड़ा था।

भारत, वेस्टइंडीज और इंग्लैंड ने 2-2 टाइटल जीते

टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत 2007 में हुई। भारत ने पहले एडिशन के फाइनल में पाकिस्तान को हराकर टाइटल जीता था। इसके 17 साल बाद भारत ने 2024 में साउथ अफ्रीका को फाइनल हराया और दूसरी बार टाइटल जीता। भारत के अलावा वेस्टइंडीज और इंग्लैंड ने भी 2-2 टाइटल जीते हैं। पाकिस्तान, श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया ने 1-1 बार खिताब जीता है।

एशेज :

स्टार्क के बाद स्टोक्स का 'पंजा', पहले ही दिन गिरे 19 विकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज 2025-26 की शुरुआत बेहद रोमांचक रही। मुकाबले के पहले ही दिन 19 विकेट गिरे। इंग्लैंड को 172 रन पर समेटने के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम ने महज 123 रन तक अपने 9 विकेट गंवा दिए हैं। फिलहाल मेजबान टीम इंग्लैंड से 49 रन पीछे है। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल स्टार्क ने सात विकेट हासिल किए, जिसके बाद 5 विकेट के साथ इंग्लिश कप्तान बेन स्टोक्स ने करारा जवाब दिया है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम इस तेज पिच पर महज 32.5 ओवरों का ही सामना कर सकी। मेहमान टीम ने पहली पारी में सिर्फ 172 रन बनाए। इस टीम को छठी गेंद पर जैक क्रॉली (0) के रूप में बड़ा झटका लगा। उस समय तक इंग्लैंड का खाता भी नहीं खुल सका था। इसके बाद टीम ने 39 के स्कोर तक अपने 3 विकेट गंवा दिए। यहां से ओली पोप ने हैरी ब्रूक के साथ चौथे विकेट के लिए 67 गेंदों में 55 रन की पारी खेली। पोप 46 रन बनाकर आउट हुए। ब्रूक ने बेन स्टोक्स के साथ पांचवें विकेट के लिए 21 रन जुटाए, जबकि जेमी स्मिथ के साथ 45 रन की साझेदारी की। इंग्लैंड की इस पारी में हैरी ब्रूक अर्धशतक लगाने वाले इकलौते बल्लेबाज रहे। उन्होंने 61 गेंदों में 1 छक्के और 5 चौकों के साथ 52 रन की पारी खेली, जबकि जेमी स्मिथ ने टीम के खाते में 33 रन जोड़े। मेजबान टीम की ओर से मिचेल स्टार्क ने 12.5 ओवरों में 58 रन देकर 7 विकेट हासिल किए, जबकि ब्रेंडन डोगेट ने 2 विकेट अपने नाम किए। शेष एक विकेट कैमरून ग्रीन ने निकाला।

इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले दिन की समाप्ति तक 39 ओवरों में 9 विकेट खोकर 123 रन बनाए। इंग्लैंड की तरफ से ऑस्ट्रेलिया ने भी खाता खुलने से पहले ही सलामी बल्लेबाज का विकेट गंवा दिया था। डेब्यूटेंट जैक वेदरलैंड शून्य पर पवेलियन लौटे। कप्तान स्टीव स्मिथ ने मार्नस लाबुशेन के साथ दूसरे विकेट के लिए 28 रन की साझेदारी की। लाबुशेन महज 9 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद टीम ने 31 के स्कोर तक 4 विकेट गंवा दिए। यहां से ट्रेविस हेड ने कैमरून ग्रीन के साथ पांचवें विकेट के लिए 45 रन की साझेदारी की। हेड टीम के खाते में 21 रन जोड़कर आउट हुए। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से पहली पारी में एलेक्स कैरी ने सर्वाधिक 26 रन बनाए, जबकि कैमरून ग्रीन ने 24 रन जुटाए।

भारत-साउथ अफ्रीका दूसरा टेस्ट आज से गुवाहाटी में

- **टीम इंडिया पर क्लीन स्वीप होने का खतरा**
- **नीतीश रेड्डी को मिल सकता है मौका**

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 2 टेस्ट की सीरीज का दूसरा मुकाबला आज से गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में खेला जाएगा। मैच सुबह 9:00 बजे शुरू होगा, टॉस 8:30 बजे होगा। भारतीय कप्तान शुभमन गिल का इस मैच में खेलना मुश्किल है। ऐसे में नीतीश रेड्डी को मौका मिल सकता है।

भारत सीरीज में 0-1 से पीछे हैं। साउथ अफ्रीका ने पहला मैच 30 रन से जीता था। पहले टेस्ट में हार के बाद मेजबान भारत पर क्लीन स्वीप होने का खतरा मंडरा रहा है। इस मैदान पर पहली बार टेस्ट मैच खेला जाएगा, ऐसे में पिच और परिस्थितियों को देखते हुए प्लेइंग इलेवन का सिलेक्शन भी अहम रहने वाला है। पहले टेस्ट में भारतीय बल्लेबाज बड़ी पारियां खेलने में नाकाम रहे थे। शुरुआती ओवर्स में पेसर्स और बाद में स्पिनर्स के सामने बल्लेबाज लगातार दबाव में दिखाई दिए।

गिल के खेलने पर संशय

भारतीय कप्तान शुभमन गिल कोलकाता टेस्ट में गर्दन में ऐंठन की वजह से पहली पारी सिर्फ तीन गेंदें खेलने के बाद रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। मुकाबले के तीसरे दिन की सुबह, बीसीसीआई ने कहा कि वह टेस्ट में आगे हिस्सा नहीं लेंगे। गिल के दूसरे टेस्ट में भी खेलने पर संशय बना हुआ है।

शुभमन गिल की जगह बल्लेबाजी कर सकते हैं ध्रुव जुरेल: सीतांशु कोटक

गुवाहाटी, एजेंसी। भारत के बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक ने गुवाहाटी में शनिवार से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट से पहले कप्तान शुभमन गिल की रिकवरी पर अपडेट दिया है। कोटक ने कहा कि गिल तेजी से रिकवर कर रहे हैं। कोटक ने कहा, 'वह निश्चित रूप से ठीक हो रहे हैं।

मैं उनसे कल मिला था। फिजियो और डॉक्टरों को यह तय करना है कि अगर वह पूरी तरह से ठीक भी हो जाते हैं, तो मैच के दौरान ऐंठन दोबारा होने की संभावना है या नहीं।

यह बहुत जरूरी है। अगर कोई भी संशय है, तो मुझे यकीन है कि वह एक और गेम के लिए आराम करेंगे। एक खिलाड़ी और कप्तान के रूप में शुभमन की कमी टीम को खलेगी।' उन्होंने कहा, 'भारतीय टीम में गहराई है। अगर गिल दूसरे टेस्ट में नहीं खेलते हैं, तो हमारे पास उनकी जगह लेने के लिए अच्छे खिलाड़ी हैं।

वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल्स 2025: भारत ने नौ स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। भारत ने मुक्केबाजी के ग्लोबल स्टेज पर अपना अब तक का सबसे शानदार प्रदर्शन किया। शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित 'वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल्स 2025' के ऐतिहासिक आखिरी दिन भारतीय खिलाड़ियों ने घरेलू दर्शकों के सामने नौ स्वर्ण पदक जीते। ओलंपिक-क्लास के खास डिवीजनों में अपना दबदबा दिखाते हुए, भारत की महिलाओं ने ऐतिहासिक जीत के साथ बढ़त बनाई, जबकि पुरुषों के सेक्शन में दो स्वर्ण पदक मेजबान देश के लिए एक अहम मील के पत्थर बन गए। भारत ने इस अभियान को नौ स्वर्ण, छह रजत और पांच कांस्य पदक के साथ खत्म किया, जिसमें हिस्सा लेने वाले 20 मुक्केबाजों में से हर एक ने पोडियम पर जगह बनाई। अंतिम दिन भारत

की महिलाओं के नाम रहा। दोपहर के सेशन में मीनाक्षी (48 किग्रा), प्रीति (54 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) और नूपुर (80 प्लस किग्रा) के साथ एक-एक स्वर्ण पदक जीता। इसी तरह शाम के सेशन में निखत जरीन (51 किग्रा), जैस्मिन लैम्बोरिया (57 किग्रा) और परवीन (60 किग्रा), सभी पोडियम पर टॉप पर पहुंचीं। लॉस एंजिल्स ओलंपिक्स में सभी वेट कैटेगरी में जेंडर पैरिटी लाने की तैयारी है। ऐसे में आखिरी दिन भारतीय महिलाओं के दबदबे ने वर्ल्ड बॉक्सिंग में देश के बढ़ते रुतबे को और दिखाया। शाम की हाइलाइट वर्ल्ड चैंपियन जैस्मिन लैम्बोरिया रहीं। लैम्बोरिया ने एक ब्लॉकबस्टर फाइनल में पेरिस ओलंपिक पदक विजेता वू शिह यी को 4:1 से हराकर सबको चौंका दिया।

रंगमंच हर व्यक्ति कर सकता है

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में विहान ड्रामा वर्क्स द्वारा आयोजित दो दिवसीय रंगमंच कार्यशाला का सफल समापन कल हुआ। मास कम्युनिकेशन विभाग के विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य थिएटर को एक प्रभावी संप्रेषण माध्यम के रूप में समझाना था। 'थिएटर ऐज़ ए पावरफुल मीडियम ऑफ कम्युनिकेशन' विषय पर केंद्रित इस कार्यशाला का संचालन विहान ड्रामा वर्क्स के मेंटर हेमंत देवलेकर, श्वेता केतकर व अंकित पारोचे ने किया। कार्यशाला की शुरुआत श्वेता ने एक महत्वपूर्ण प्रश्न के साथ की– 'क्या रंगमंच हर व्यक्ति कर सकता है?' शुरुआती चरण में कई विद्यार्थियों ने इसे कठिन और सीमित क्षमता वाला क्षेत्र माना, परंतु लगातार दो दिनों की अभ्यास-प्रक्रिया, व्यावहारिक प्रशिक्षण और अनुभव-साझा करने के बाद छात्रों का दृष्टिकोण पूरी तरह बदल गया। कार्यशाला के अंत में वही विद्यार्थी आत्मविश्वास के साथ कहने लगे– 'रंगमंच हर व्यक्ति कर सकता है! सत्र के दौरान प्रतिभागियों को यह भी बताया गया कि सार्वजनिक संचार और विज्ञापन (पब्लिक एडवर्टाइजमेंट) में कम शब्दों में प्रभावी संदेश कैसे तैयार किया जाता है, और थिएटर की तकनीकें संवाद को कैसे अधिक मानवीय, स्पष्ट और असरदार बनाती हैं। विद्यार्थियों ने शरीरभाषा, कथन-शैली, भाव-प्रस्तुति और दृश्य-संरचना जैसी कई प्रमुख तकनीकों का अभ्यास भी किया। विहान ड्रामा वर्क्स की टीम ने विश्वविद्यालय का सहयोग और आमंत्रण के लिए आभार व्यक्त किया तथा कहा कि ऐसे प्रयास भविष्य में भी विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और संवाद-कौशल को मजबूत बनाने में मदद करेंगे।

विद्युत हादसे रोकने की नई दिल्ली में ली ट्रेनिंग

भोपाल निप्र। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह के निर्देश एवं मुख्य महाप्रबंधक श्री प्रकाश सिंह चौहान के मार्गदर्शन में विद्युत हादसे रोकने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे है। इसी क्रम में कंपनी के 15 सर्कल क्षेत्र के 55 कार्मिकों ने नई दिल्ली में टाटा पावर नई दिल्ली में एडवांस ट्रेनिंग कराई गई। नई दिल्ली में विद्युत संबंधी हादसे रोकने के प्रयास, तौर तरीके, गाइड लाइन पालन, सुरक्षा उपकरणों के शत प्रतिशत उपयोग, सतर्कता इत्यादि से संबंधित ट्रेनिंग लेने वालों में मानव संसाधन प्रबंधक, इंजीनियर , लाइन स्टॉफ, तकनीकी कर्मचारी आदि शामिल थे।

बैंगलुरू टेक समिट में प्रदर्शित हुआ टियर-2 टेक्नोलॉजी इको सिस्टम

भोपाल निप्र। राज्य सरकार ने बेंगलुरु इंटरनेशनल एग्जीबिशन सेंटर (बीआईईसी) में आयोजित बेंगलुरु टेक समिट (बीटीसी) 2025 में उल्लेखनीय भागीदारी दर्ज की।बीटीसी- 2025 में विशेष प्रदर्शनी मंडप से राज्य की तेजी से विकसित होती टेक्नोलजी ईकोसिस्टम और भारत के प्रमुख टियर-2 इनोवेशन हब के रूप में मध्यप्रदेश की स्थिति को प्रभावशाली रूप से प्रदर्शित किया गया।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ने मध्यप्रदेश मंडप हॉल 3, बूथ एचएस 17 में स्थापित किया। मंडप में प्रदेश की समग्र नीति व्यवस्था को विशेष रूप से प्रदर्शित किया गया।मंडप ने वैश्विक कंपनियों, टेक्नोलॉजी लीडर्स और तेजी से बढ़ते स्टार्टअप्स का ध्यान विशेष रूप से आकर्षित किया। प्रदर्शनी में पहुंचे उद्योग प्रतिनिधियों ने राज्य में निवेश अवसरों का आकलन किया और भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था के अंतर्गत प्रदेश में नए अवसरों पर विचार विमर्श किया। मंडप में प्रमुख रूप से ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर पॉलिसी 2025, ड्रोन प्रमोशन और उपयोग पॉलिसी 2025, ड्ढत्नष्ट-ड्ढन्क्र पॉलिसी 2025, सेमीकंडक्टर पॉलिसी 2025 और ढ्ढञ्ज, ढ्ढञ्जश्वस् × श्वस्ठरू निवेश संवर्धन पॉलिसी 2023 प्रदर्शित की गईं। इन नीतियों का उद्देश्य राज्य को सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं, ईएसडीएम और सेमीकंडक्टर निर्माण, डेटा सेंटर,जीसीसी, एवीजीसी-एक्सआर स्टूडियोज और ड्रोन तकनीक के लिए एक प्रमुख और आकर्षक निवेश केंद्र बनाना है। इन प्रगतिशील नीतियों की सहायता और मिशन-आधारित प्रशासनिक दृष्टिकोण से मध्यप्रदेश भारत का अग्रणी टेक्नोलॉजी हब बन रहा है। मंडप में मध्यप्रदेश के तेजी से बढ़ते तकनीकी परिदृश्य को भी प्रस्तुत किया गया जो 15 से अधिक आईटी पार्क, 6 आईटी एसईजेड, 2000 से अधिक आईटी और ईएसडीएम इकाइयां, 1200 से अधिक टेक-स्टार्टअप्स और 2 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार से सशक्त है। इंदौर, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर में कई बड़ी कंपनियों का विस्तार और 50 से अधिक बड़ी आईटी कंपनियों का संचालन राज्य को एक मजबूत निवेशक-अनुकूल वातावरण प्रदान करता है। मंडप ने इस टियर-2 विकास की कहानी को प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत किया, जो उद्योग प्रतिनिधियों के लिए अत्यंत आकर्षक रही। राज्य प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अवंतिका वर्मा, अधिकारी-इन-चार्ज, निवेश संवर्धन, स्ब्क्रश्चष्ठ्ठ, राजा पंचाल, टीम लीड, एमपीएसईडीसी और निवेश संवर्धन टीम ने किया।

डिजिटल डिग्री वेरीफिकेशन विद्यार्थी हित की सार्थक पहल : राज्यपाल

भोपाल निप्र। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि डिजिटल डिग्री वेरीफिकेशन पोर्टल उच्च शिक्षा की बेहतरी की दिशा में ऐतिहासिक क़दम है। पोर्टल, विद्यार्थी हित की सार्थक पहल है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक गतिविधियों में तकनीकी नवाचार से विद्यार्थियों को वेरीफिकेशन की जटिल प्रक्रिया से राहत मिलेगी। रोज़गार और प्लेसमेंट आदि ज़रूरी प्रक्रियाएं सुरक्षित रूप में सरलता और शीघ्रता से हो सकेगी।राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे विशेष नवाचार सराहनीय है। उन्होंने पोर्टल के माध्यम से डिग्री वेरिफ़िकेशन प्रक्रिया को समझा। स्वयं रेंडम परीक्षण किया। पोर्टल को सफलतापूर्वक लोकार्पित करने के लिए समस्त विश्वविद्यालय प्रबंधन को बधाई दी। राज्यपाल श्री पटेल ने गुरुवार को बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल के डिजिटल डिग्री वेरीफिकेशन पोर्टल का वन क्लिक से शुभारंभ किया। कार्यक्रम का आयोजन राजभवन में किया गया था।राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी, विश्वविद्यालय के कुलगुरू श्री सुरेश कुमार जैन, अपर सचिव श्री उमाशंकर भार्गव, कुल सचिव श्री अनिल शर्मा और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

आसियान देशों के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने किया मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय का भ्रमण

भोपाल निप्र। आसियान देशों के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने गुरूवार 20 नवंबर को मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय, भोपाल का भ्रमण किया। उन्होंने संग्रहालय की सभी दीर्घाओं में प्रदर्शित शिल्पों, चित्र प्रदर्शनी, चिन्हारी शॉप और पुस्तकालय 'लिखन्दरा' का अवलोकन किया। उन्होंने संग्रहालय की दीर्घाओं में स्थापित हर एक प्रादर्श एवं उससे जुड़ी कथाओं की जानकारी प्राप्त की। भ्रमण मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग एवं मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के संयुक्त तत्वधान में हुआ। इसी बीच आसियान देशों के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि जनजातीय संस्कृति को बहुत ही सुचारू रूप से प्रदर्शित किया गया है। इसके लिए भारत एवं प्रदेश के विभाग को बहुत बधाई एवं संग्रहालय बनाने वाले कलाकारों के सहयोग के लिए भी उन्हें बधाई। अवलोकन के दौरान संग्रहालय अध्यक्ष श्री अशोक मिश्र एवं अन्य उपस्थित रहे। भ्रमण के बाद प्रतिनिधि मंडल को संग्रहालय की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। आसियान प्रतिनिधिमंडल भारत में वियतनाम के राजदूत श्री गुयेन थान्ह हाई, भारत में फिलीपींस के राजदूत श्री जोसेफ एफ. इग्नासियों, भारत और श्रीलंका में कंबोडिया की राजदूत सुश्री रथ मनी, भारत में तिमोर लेस्ते के राजदूत श्री कार्लितो नुनेस, भारत में थाईलैंड की राजदूत सुश्री छवनार्ट थांगसुमफंट, भारत और भूटान में इंडोनेशिया की राजदूत सुश्री इना एच कृष्णमूर्ति और मिशन प्रमुख द्वितीय सचिव ब्रुनेई दारुस्सलाम गणराज्य श्री पेंगिरन मोहम्मद शफी अलवाली बिन पेंगिरन अबू बकर शामिल थे।

विश्व रंग में साहित्य और कलाएँ

संतोष चौबे

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय एवं डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किये जाने वाला टैगोर अन्तरराष्ट्रीय साहित्य एवं कला महोत्सव, शायद देश में अपनी किस्म का पहला आयोजन है जो किसी शैक्षिक संस्थान द्वारा किया जा रहा है। जहाँ टैगोर साहित्य के क्षेत्र में देश के पहले नोबल पुरस्कार विजेता थे, वहीं सी.वी. रामन को विज्ञान में देश का पहला नोबल पुरस्कार प्राप्त करने का गौरव हासिल है। इन महान भारतीयों के नाम पर स्थापित हमारे दोनों विश्वविद्यालय इस बात पर ज़ोर देते हैं कि विज्ञान और तकनीक के शिक्षण के साथ-साथ साहित्य एवं कलाओं का शिक्षण भी उतना ही महत्वपूर्ण है और एक संतुलित मनुष्य के निर्माण में वैज्ञानिक दृष्टि और कलात्मक संवेदना दोनों का होना आवश्यक है। इसमें अपनी भाषा और परंपरा के प्रति गर्व और सम्मान की भावना भी सन्निहित है। विश्वरंग का आयोजन इन्हीं आधारों पर किया जा रहा है। जहाँ इसमें विश्व कविता एवं विश्व में हिंदी के सत्र आयोजित हैं, वहीं प्रवासी भारतीय साहित्य को भी उतना ही स्थान दिया गया है। यह उत्सव हिंदी और भारतीय भाषाओं को केंद्रीयता प्रदान करता है और उनमें आपसी भाईचारे और सम्मान की भावना विकसित करना चाहता है वहीं दूसरी ओर, यह बोलियों से भी रस ग्रहण करना चाहता है जिनके बिना भाषा बहुत विपन्न होगी। यह युवा रचनात्मकता पर जोर देता है और छूटे हुए समूहों जैसे थर्ड जैंडर तथा दिव्यांग को शामिल करना चाहता है। साहित्य, कला, रंगमंच और संगीत का

यह वृहद आयोजन आज के समय में कलाओं की अंतः संबद्धता को रेखांकित करने का एक प्रयास भी है। विश्वरंग का आयोजन इस उम्मीद के साथ किया जा रहा है कि भारत और विश्व के अन्य देशों के बीच साहित्यिक, सांस्कृतिक संवाद को और मजबूत किया जा सके, संवाद और सहयोग ज्यादा गहरा हो तथा आषा और प्रेम के मूल रंगों से पहचान बढ़े। साहित्य के अलावा विश्वरंग कलाओं को भी पर्याप्त स्थान प्रदान करता है। इसमें रबीन्द्र नाथ टैगोर की चित्र प्रदर्शनी तो लगाई ही जा रही है, उनके चित्रों पर आधारित रवीन्द्र कैटलॉग का प्रकाशन भी किया गया है। टैगोर के बहाने भारत में कलाओं के इतिहास पर एक राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन भी किया जा रहा है, जो चित्रकला पर गहन विचार-विमर्श करेगा। इसी के साथ शायद पहली बार है कि देश के नवोदित चित्रकारों से चित्र आमंत्रित कर उन्हें पुरस्कृत करने का विचार भी किया गया है।

मुझे बहुत खुशी है कि रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के आह्वान पर करीब 1000 नवोदित चित्रकारों ने अपनी पेंटिंग्स भेजी, जिनमें से 175 का चयन प्रदर्शनी हेतु किया गया है। इनमें से 5 चित्रकारों को पुरस्कृत भी किया जा रहा है। अधिकतर प्रतिभागियों ने इस बात पर आश्चर्य और प्रसन्नता जाहिर की है कि इस पूरे उपक्रम में उनसे कोई शुल्क नहीं लिया गया। इस कैटलॉग में शामिल चित्रों को देखकर आपको नवोदित चित्रकारों की प्रतिभा, विविधता और उनकी स्थानिकता का आभास हो सकेगा। आज के उत्तर आधुनिक समय में जहाँ चित्रकला में फोटोग्राफिक चमक बढ़ी है, वहीं उसमें गहराई का लोप हुआ है।

40 दिन निकलेगी भगवान झूलेलाल प्रभात फेरी, शुरुआत हुई

भोपाल निप्र। नाहीरी माह का पूज्य श्री चालीहा साहिब व्रत एवं प्रभात फेरी शुक्रवार 21 नवंबर से शुरू हो गई है। जय झूलेलाल का नारा लगाते हुए भगवान झूलेलाल के भक्तों ने प्रभात फेरी की शुक्रवार को शुरुआत की।

ज्ञात हो आदिकाल से ही परिवार समाज और देश की खुशहाली हेतु सिंधी समाज 18 घंटे निर्जल निराहार रहकर पूज्य चालीहा साहिब व्रत रखता है। यह व्रत वर्ष में दो बार रखा जाता है एक 16 जुलाई से शुरू होकर 24 अगस्त तक दूसरा नहीरी माह की दूज से शुरू होता है । पूर्व में नाहीरी माह के व्रत केवल भगवान झूलेलाल जी के वंशज ठकुर परिवार ही रखा करते थे क्योंकि यह बहुत कठिन होते हैं। पर भक्तों की भगवान झूलेलाल जी के प्रति अनन्य आस्था को देखते हुए भक्तों के विनम्र निवेदन पर भगवान श्री झूलेलाल जी के 25 वें वंशज ठकुर साईं ओंमलाल साहिब जी ने भक्तों को आज्ञा प्रदान की कि आप भी यह व्रत रख सकते हैं। पूज्य सिंधी पंचायत के वरिष्ठ उपाध्यक्ष भरत असवानी ने बताया कि भगवान झूलेलाल जी के 26 वें वंशज परम पूज्य ठकुर साईं मनीषलाल साहिब जी (साईं भरूचवारा) ने देश-विदेश में नाहीरी माह के पूज्य चालीहा साहिब के निमित्त प्रभात फेरी शुरू करवाई है

उनकी आज्ञा अनुसार संत हिदाराम नगर में भी झूलेलाल ठकुर सानलाल मंदिर बी वार्ड पुराना से शुक्रवार 21 नवंबर से भरूच धाम से लाई गई पूज्य अखंड ज्योत साहिब एवं भगवान झूलेलाल जी के पवित्र ग्रंथ श्री अमर कथा के साथ झूलेलाल प्रभात फेरी निकाली जाएगी। प्रभात फेरी रोजाना सुबह 6:00 बजे झूलेलाल- ठकुर आसनलाल मंदिर बी वार्ड पुराना से आरंभ होकर शहर की परिक्रमा कर 7:15 बजे मंदिर पर समाप्त होगी।

प्रदेश में रिकॉर्ड तोड़ ठंड, 12 शहर 10 डिग्री से नीचे

राजगढ़ में सबसे ठंड़ा,आज शीतलहर का अलर्ट

भोपाल निप्र। पहाड़ी इलाकों में जारी बर्फबारी का सीधा असर अब मध्यप्रदेश में भी दिखने लगा है। पिछले पंद्रह दिनों से प्रदेश लगातार कड़कड़ाती ठंड की चपेट में है। बीते 24 घंटों में भोपाल और इंदौर समेत 12 शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ। सबसे कम पारा राजगढ़ में 7.5 डिग्री रहा। जबलपुर के भेड़ाघाट में घना कोहरा छाया रहा। शुक्रवार को भी मौसम की यही तीखी सर्दी देखने को मिल सकती है। दस दिनों से शीतलहर की स्थिति बनीः 6 नवंबर से ही प्रदेश में तेज ठंड का दौर शुरू हो गया था। खासकर मालवा-निमाड़ क्षेत्र में तापमान लगातार नीचे जा रहा है। राजधानी भोपाल में पिछले दस दिनों से शीतलहर की स्थिति बनी हुई है और अगले दो दिन भी हालात ऐसे ही रहने की उम्मीद है। मौसम विज्ञान विभाग ने शुक्रवार के लिए इंदौर, भोपाल, राजगढ़, सीहोर और शाजापुर में शीतलहर की चेतावनी जारी की है।

नवंबर की शुरुआत से ही ठंड ने पकड़ा जोरः आमतौर पर नवंबर के दूसरे सप्ताह में सर्दी तेज होती है, लेकिन इस बार पहली ही तारीखों से पारा लगातार लुढ़क रहा है। भोपाल में नवंबर की ठंड ने 84 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है, जबकि इंदौर में 25 साल बाद इतनी ठंडी रातें दर्ज की जा रही हैं। अगले दो दिन तक प्रदेश में शीतलहर का असर रहेगा, उसके बाद थोड़ी राहत की संभावना है।

पचमढ़ी बना प्रदेश का दूसरा सबसे सर्द शहर

बुधवार और गुरुवार की रात कई जिलों में कड़ाके की ठंड महसूस की गई। राजगढ़ 7.5 डिग्री के साथ सबसे ठंडा रहा, जबकि प्रदेश के इकलौते हिल स्टेशन पचमढ़ी का तापमान 7.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो राज्य में दूसरा सबसे कम है।शाजापुर में 7.8 डिग्री, शिवपुरी में 8 डिग्री, छतरपुर के नौगांव में 8.3 डिग्री, खंडवा में 8.4 डिग्री, नरसिंहपुर में 8.8 डिग्री, खरगोन और उमरिया में 9 डिग्री तथा रायसेन में 9.6 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। बड़े शहरों पर नजर डालें तो भोपाल 9.2 डिग्री, इंदौर 8 डिग्री, ग्वालियर 11.9 डिग्री, उज्जैन 10.5 डिग्री और जबलपुर 12 डिग्री के साथ ठंड की मार झेल रहे हैं।

22 नवंबर से सक्रिय होगा लो प्रेशर एरिया

22 नवंबर को दक्षिण–पूर्वी बंगाल की खाड़ी में एक निम्न दबाव तंत्र बनने की संभावना है। इससे पहले अगले 48 घंटों तक प्रदेश को कड़ी ठंड का सामना करना पड़ेगा। पिछले एक दशक में नवंबर में ठंड के साथ बरसात का ट्रेंड बना हुआ है।

प्रदेश में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता

उच्च शिक्षा विभाग ने किया स्टेट टास्क फोर्स का गठन

भोपाल निप्र। विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर देशभर में बढ़ रही चिंता के बीच मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग ने इस दिशा में ठोस और व्यापक कदम उठाने की शुरुआत कर दी है। राज्य ने सुप्रीम कोर्ट और नेशनल टास्क फोर्स के निर्देशों के बाद स्टेट टास्क फोर्स को पूर्णतः सक्रिय कर दिया है, जो अब पूरे राज्य में विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और कोचिंग संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी उपायों की निगरानी और सुधार की रूपरेखा तय कर रही है। उल्लेखनीय है कि ह्लञ्जस्न द्वारा आयुक्त, उच्च शिक्षा श्री प्रबल सिपाहा को राज्य स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उच्च शिक्षा विभाग के अनुसार यह पहल केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि 'राज्य के विद्यार्थियों के लिए एक सुरक्षित, सहयोगी और दबावमुक्त शैक्षणिक माहौल' तैयार करने की दिशा में सबसे बड़ा प्रशासनिक प्रयास है।

एसटीएफ के हाथ में मानसिक स्वास्थ्य सुधार की कमानः ह्लञ्जस्न के निर्देशों के बाद उच्च शिक्षा विभाग ने एक स्टेट टास्क फोर्स का गठन किया है । यह राज्य में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, परामर्श सेवाओं और रोकथाम उपायों पर केंद्रित नीतिगत हस्तक्षेपों के लिए योजना एवं निर्देश जारी कर रही है। एसटीएफ के अध्?यक्ष आयुक्त, उच्च शिक्षा श्री प्रबल सिपाहा है। ओएसडी डॉ. उषा के. नायर को इसका सदस्य सचिव नियुक्?त किया गया है। एसटीएफ में स्कूल शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य, पुलिस, बाल सुरक्षा, सामाजिक न्याय तथा नगरीय प्रशासन विभागों के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया गया है । यह एक बहु-विभागीय तंत्र है जो विद्यार्थियों की चुनौतियों को व्यापक दृष्टि से देखेगा। स्टेट टास्क फोर्स क्या करेगी?ः राज्य में मानसिक स्वास्थ्य और परामर्श से जुड़े उपायों की निगरानी, ह्लञ्जस्न के निर्देशों के अनुपालन का मूल्यांकन, कोचिंग व कॉलेज परिसरों का मानसिक स्वास्थ्य ऑडिट, हेल्पलाइन, काउंसलिंग, मनोसामाजिक समर्थन की व्यवस्था को मजबूत करना, जिला स्तरीय ष्ठञ्जस्न को दिशा देना और उनकी रिपोर्ट की समीक्षा, आत्महत्या रोकथाम से जुड़े जोखिम कारकों की पहचान और सुधार को बढ़ावा, राज्य सरकार को नियमित सिफारिशें और नीतिगत सुझाव शैक्षणिक संस्थानों में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति सभी सुधारों के समन्वय प्रभावी हो, इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग ने राज्य के सभी शासकीय एवं निजी शैक्षणिक संस्थानों को नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, रेणु शर्मा द्वारा प्रदेशवॉच मीडिया ग्रुप, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर भोपाल, से मुद्रित तथा ई–3/23, अरेरा कॉलोनी, भोपाल (मप्र) से प्रकाशित। संपादक–आशीष गोस्वामी
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा ।) Email : narmadanewsttp@gmail.com, मोबाईल . 7697769136